राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 20 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-151 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचमुच साफ और निर्मल होगी यमुना, केंद्रीय गृहमंत्री शाह की मौजदूगी में बना प्लान

उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नदी को साफ करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। इस अभियान में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली एक साथ मिलकर काम करने वाले है। योजना में दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को शामिल किया गया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले गंदे पानी और कारखानों के कचरे से दिल्ली में यमुना नदी गंदी होती है। इसलिए, इन राज्यों में भी नदी को साफ करने का काम होगा।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की बैठक में कुछ लक्ष्य तय किए गए हैं। हरियाणा में कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने को कहा गया है। उन्हें 2026 तक अपने कारखानों में पानी को साफ करने वाले प्लांट लगाना होगा। साथ ही, 17 पुराने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को भी सुधारा जाएगा। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद में नए एसटीपी बनाएगी।

वहीं उत्तर प्रदेश में यमुना के किनारे बसे शहरों जैसे आगरा, मथुरा और वृंदावन में सीवेज को साफ करने का काम होगा। इसके लिए नालों को भी बंद कराया जाएगा, ताकि गंदा पानी यमुना में न जाए। उत्तर प्रदेश सरकार एसटीपी के जरिए सीवेज को साफ करेगी इससे यमुना में पानी का बहाव भी बढ़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि यमुना में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए गंगा नदी से भी पानी लाया जाएगा। गंगा और यमुना के पानी को दो नहरों के ज़रिए यमुना में डाला जाएगा।

मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा, दिल्ली में यमुना को साफ करना सिर्फ दिल्ली का काम नहीं है, यह तीनों राज्यों की जिम्मेदारी है। जब तीनों राज्य मिलकर काम करने को तैयार है। तभी यमुना सच में साफ हो पाएगी।

ये फैसले गृहमंत्री शाह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा और केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान लिए गए।

बैठक में शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार को कारखानों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कदम

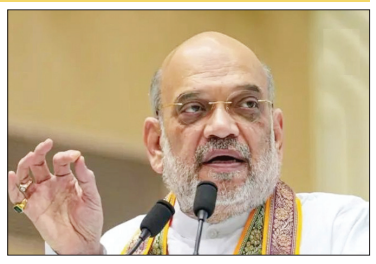

उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुना में पानी का बहाव बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात करनी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ओखला एसटीपी से साफ पानी को नदी में छोड़ना चाहिए, जिससे पानी की गुणवत्ता सुधरेगी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे

- आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को असेंबली लाइन से आगे निकलकर एक सच्ची विनिर्माण शक्ति बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर बदलाव की ज़रूरत पर ज़ोर देकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया के नाम पर भारत सिर्फ उत्पादों की असेंबली कर रहा है, उनका सही मायने में निर्माण नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि भारत में बनने वाले ज़्यादातर टीवी के 80 प्रतिशत कलपुर्जे चीन से आते हैं। उन्होंने बताया कि नीति और समर्थन की कमी, भारी कर और निगमों का एकाधिकार, उन छोटे उद्यमियों को रोक रहे हैं जो विनिर्माण करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं, असली मैन्युफैक्चरिंग नहीं। आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं। छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सपोर्ट। उल्टा, भारी टैक्स और चुने हुए कॉरपोरेट्स का एकाधिकार, जो कि देश के उद्योग को जकड़ रखा है। जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी। ज़मीनी बदलाव चाहिए ताकि भारत असेंबली लाइन से निकलकर असली

मैन्युफैक्चरिंग पावर बने और चीन को बराबरी की टक्कर दे सके। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार की मेक इन इंडिया पहल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को पुनर्जीवित करने में विफल रही है, जो 2014 में सकल घरेलू उत्पाद के 15.3 प्रतिशत से घटकर 12.6 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले 60 वर्षों में सबसे कम है। उन्होंने कहा था कि चीन बीते 10 वर्षों से बैटरी, रोबोट, मोटर और ऑप्टिक्स पर काम कर रहा है और इस क्षेत्र में वह भारत से कम से कम दस वर्षों की बढ़त बनाए हुए है।

ओडिशा में फिर एक लड़की आग के हवाले

- किशोरी की हालत गंभीर तीन लोगों ने जलाया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में फिर एक लड़की जल गई है। पुरी जिले में हुई घटना में इस लड़की को तीन अज्ञात लोगों ने जला दिया। यह घटना उस वक्त हुई जब लड़की अपनी दोस्त के घर जा रही थी। शुरू में उसे पुरी के पीपिली अस्पताल ले जाया गया लेकिन हालात खराब होने के चलते फिर उसे एम्स भुवनेश्वर में भर्ती किया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक यह लड़की 40

फीसदी तक जली है। हालांकि उसकी स्थिति अब स्थिर बताई गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही ओडिशा में एक छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी। उसने एचओडी के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। ताजा मामले में स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना सुबह आठ बजकर तीस मिनट पर हुई। यह घटना बालंगा पुलिस थानाक्षेत्र में हुई है। जानकारी के मुताबिक हमलावरों ने उसका भार्गवी नदी के तट तक पीछा किया। यहां पर सुनसान इलाका देखकर इन लोगों ने लड़की को आग लगा दी। इसके बाद यह लोग वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों ने जब लड़की की चीख सुनी तो मदद के लिए दौड़े। इसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है हमले के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

संसद में गूंजेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

सरकार हुई ऐक्टिव

रक्षा मंत्री के आवास पर बड़ी बैठक,एनएसए और सीडीएस भी पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से ही शुरू होने वाला है। विपक्ष ने इस सत्र में सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सरकार से सवाल करेगा। वहीं सरकार ने भी विपक्ष को जवाब देने की रणनीति बना ली है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू, मनोहर लाल, एल मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल, सीआर पाटिल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। इसके अलावा एनएसए अजित डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के चीफ भी रक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे थे। मोदी सरकार हर तरीके से विपक्ष को शांत कराने के प्रयास में है ताकि मॉनसून

सत्र ठीक से चल सके। वहीं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने को तैयार बैठे हैं। विपक्ष के पास एसआईआर का भी मुद्दा है। उनका कहना है कि चुनाव से पहले मतदाता सूची में यह सुधार केवल बीजेपी के वोट बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। इस मॉनसून सत्र में सरकार कई विधेयक पेश कर सकती है और इन्हें पास करवाने का प्रयास कर सकती है। इनमें मणिपुर गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स संशोधन विधेयक 2025, जन विकास विधेयक 2025, आईआईएम संशोधन विधेयक 2025, टैक्सेशन कानून विधेयक 2025, जियो हेरिटेज साइट्स ऐंड जियो रेलिक्स विधेयक 2025, माइन्स ऐंड मिनरल्स संशोधन विधेयक 2025, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल और नेशनल एंटी डोपिंग अमेंडमेंट बिल शामिल हैं। इससे पहले सोनिया गांधी ने भी कांग्रेस संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। यह सत्र भी हंगामेदार होने की उम्मीद है। कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है। सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा।

थाईलैंड जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में आई गड़बड़ी!

- उड़ान भरने के तुरंत बाद हैदराबाद लौटी, जांच शुरू

हैदराबाद (एजेंसी)। शनिवार सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाईलैंड के फुकेट के लिए रवाना हुई एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद वापस लौट आई। फ्लाइट संख्या एआई 110 सुबह 6.40 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी, जो अपने निर्धारित समय से लगभग 20 मिनट की देरी में थी। यह विमान फुकेट में सुबह 11.45 बजे लैंड करने वाला था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौट आया। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के अनुसार, विमान ने उड़ान तो भरी, लेकिन बहुत दूर नहीं जा सका और हैदराबाद में

सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, इस समय तक एयरलाइन या एयरपोर्ट अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि विमान को वापस क्यों लौटाया गया। यह एक बोइंग 737 मैक्स 8 विमान था। गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में भारत में उड़ानों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी सप्ताह गुरुवार को दिल्ली से इम्फाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-5118 में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे लौटना पड़ा। सुबह 10.25 बजे उड़ान भरने के बाद विमान 11.16 बजे दिल्ली वापस लौट आया। तकनीकी जांच के बाद विमान दोबारा दोपहर 12:30 बजे रवाना हुआ और 2.53 बजे इम्फाल पहुंचा, जो उसके निर्धारित समय 1.10 बजे से काफी देरी से था। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया, दिल्ली से इम्फाल जा रही फ्लाइट 6ए-5118 में उड़ान के कुछ देर बाद एक मामूली तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। पायलटों ने सतर्कता बरतते हुए विमान को वापस लौटाया।

गरीब रथ एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग, लोको पायलट की सतर्कता से टला हादसा

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान में शनिवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा उस समय टल गया जबकि गरीब रथ एक्सप्रेस (12216) के इंजन में अचानक आग लग गई। यह घटना 19 जुलाई की सुबह करीब 3 बजे सेंदड़ा (ब्यावर) रेलवे स्टेशन के पास हुई, जब ट्रेन मुंबई के बांद्रा स्टेशन से दिल्ली के सराय रोहिल्ला जा रही थी। जानकारी अनुसार ट्रेन में उस वक्त 500 से अधिक यात्री सवार थे। लोको पायलट को इंजन के पिछले हिस्से से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेल अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई और राहत कार्य शुरू कर दिए गए। रेलवे प्रवक्ता के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने का कारण तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट से हो सकता है। राहत की बात यह रही कि आग डिब्बों तक नहीं पहुंची और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसी के साथ रेल प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों को वैकल्पिक साधनों से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। साथ ही, प्रभावित इंजन को हटाकर ट्रैक को साफ किया जा रहा है। रूट को पूरी तरह बंद नहीं किया गया, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अन्य ट्रेनों को कम गति से वहां से निकाला गया है। गौरतलब है कि यह गरीब रथ एक्सप्रेस रात 11:30 बजे आबू रोड से रवाना होकर सुबह 3:45 बजे अजमेर पहुंचती है।

मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें भारत को अपनी जांच करने दें

- अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में बोलीं अमेरिकी अधिकारी

वॉल स्ट्रीट को लगा झटका, पायलट को जिम्मेदार माना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आई मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी

इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। वॉल स्ट्रीट ने बताया था कि यह खुलासा दोनों पायलटों के बीच बातचीत की कॉकपिट रिकॉर्डिंग से हुआ है। वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चला कि बोइंग विमान उड़ा रहे को-पायलट ने फ्यूल बंद किया है।

अलर्ट: यूपी, एमपी और बिहार समेत एक दर्जन राज्यों में कल से होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल यानी रविवार से यूपी,एमपी, बिहार, राजस्थान सहित करीब एक दर्जन राज्यों में जमकर बारिश होगी। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। यह अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान की ओर बढ़ेगा, जो धीरे-धीरे कमजोर होकर एक गहरे निम्न दबाव क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके प्रभाव से राजस्थान और उत्तराखंड में 20 और 21 जुलाई को तेज बारिश होगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में 20 से 24 जुलाई के बीच भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में 20 से 24 जुलाई के बीच भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश के कारण 250 सड़कें बंद हो गई हैं। स्थानीय मौसम विभाग ने राज्य के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि आपदा प्रभावित मंडी में कुल 181 सड़कें, सिरमौर में 26 और कुल्लू जिले में 23 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने 21 और 23 जुलाई को हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। ऑरेंज अलर्ट भी जारी हुआ है। रविवार तक राज्य के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया। 20 जून को मॉनसून आने के बाद से 17 जुलाई तक लगभग 112 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 67 लोग बारिश से संबंधित घटनाओं में और 45 सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। लगभग 199 लोग घायल हुए हैं जबकि 35 लापता हैं।

दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में शनिवार-रविवार को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और लक्षद्वीप में 19 से 24 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अगले पांच दिनों तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 19 से 22 जुलाई तक भारी बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक की संभावना है। गोवा और महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 19 से 24 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी है। उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो धीरे-धीरे कम हो जाएगी। दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को बारिश हुई। वहीं, आगामी घंटों में हल्की बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को भी हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पालम में 2.8 मिमी, लोधी रोड में 9.5 मिमी, रिज में 5.6 मिमी, आया नगर में 1.5 मिमी, प्रगति मैदान में 9.5 मिमी और पूसा में 7.5 मिमी बारिश हुई। पालम में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 17.2 मिमी बारिश हुई।

सीमा विवाद पर तेलंगाना और महाराष्ट्र में फिर बढ़ गया तनाव!

- किसके पास रहेंगे यह 14 गांव, शुरू हो गई है सियासत
- बावनकुले के बयान के बाद भी चुप हैं सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद (एजेंसी)। महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर स्थित 14 गांवों का विवाद काफी समय से लंबित है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इन गांवों को नियंत्रण में लेने के ऐलान के बाद

फिर से यह मामला चर्चा में आ गया है। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने तेलंगाना से 14 गांवों का प्रशासनिक नियंत्रण हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की बात कही है, हालांकि तेलंगाना सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में 1989 से विवाद है। इन 14 गांवों के निवासी महाराष्ट्र और तेलंगाना दोनों राज्यों के चुनाव में वोट डालते हैं। जिन गांवों को लेकर विवाद है कि उनमें अंतपुर, पद्मावती, इंदिरानगर, पलासागुड़ा, येसापुर, भेलापाथर, लेंडीगुड़ा, येसापुर (नारायणगुड़ा), शंकरलोधी, महाराजगुड़ा, कोठा (बीके), परमडोली, मुकदमगुड़ा और लेंडीगुला गांव शामिल हैं।

दो दिवसीय यात्रा पर पीएम मोदी जाएंगे ब्रिटेन, दोनों व्यापार समझौता करेंगे बात

-प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा जब ट्रंप-नाटो भारत को दे रहे धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के इस माह ब्रिटेन जा सकते हैं। उनके 23-24 जुलाई को यूके जाने की संभावना है। पीएम मोदी की इस यात्रा में भारत और यूके के बीच व्यापार समझौता हो सकता है। दोनों देश सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात कर सकते हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब टैरिफ को लेकर अमेरिका और खासकर ट्रंप लगातार धमकाने में लगे हैं, तो पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा की अहमियत और बढ़ जाती है।

मई में भारत और यूके आपस में एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए थे। इससे भारत के 99 फीसदी निर्यात पर लगने वाले टैक्स कम हो जाएंगे। वहीं यूके की कंपनियां आसानी से व्हिसकी, कारें और अन्य सामान भारत में बेच सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस समझौते को लागू होने में करीब एक साल लग सकता है। पीएम मोदी ने इन समझौतों को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया था। पीएम मोदी का यह ब्रिटेन दौरा उस समय होने वाला है, जब ट्रंप और नाटो चीफ मार्क रुटे ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत को धमकाने और 100 फीसदी द्वितीय प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नाटो प्रमुख से कहा है कि भारत को अपनी प्राथमिकता पता है और वह पहले अपनी जरुरतों पर ही ध्यान देगा। इस वजह से अगर ऐसे समय में पीएम मोदी ब्रिटेन जा रहे हैं तो यह और भी अहम है, क्योंकि वह अमेरिका का भी पुराना सहयोगी है और नाटो का भी एक अहम किरदार है। ब्रिटेन से पीएम मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव जाएंगे। वहां वह राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। मालदीव में उनका दौरा दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करेगा। भारत और मालदीव के बीच दोस्ती हमेशा से मजबूत रही है। यह दौरा इस दोस्ती को और भी गहरा करेगा। पीएम मोदी का मालदीव जाना चीन की वजह से बहुत खास है। पिछले कुछ समय में चीन ने भारत के इस सबसे करीबी पड़ोसी पर संदिग्ध नजर डालने की कोशिश की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व एवं भगवान शिव की महिमा

पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है।

(लेखिका- पूनम चतुर्वेदी शुक्ला)

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में 'सावन मास'—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं।

सावन मास का धार्मिक महत्व - हिंदू धर्म में सावन मास को 'श्रावण मास' के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं।

शिवतत्त्व की दार्शनिक व्याख्या - भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है।

त्रिशूल (**Trishul**) उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू (**Damaru**) से सृष्टि की ध्वनि—'नाद' उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है।

सावन और शिवभक्ति की मनोवैज्ञानिक अनुभूति - सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं।

श्रद्धा का पर्व - कांवड़ यात्रा : सावन मास में 'कांवड़ यात्रा' एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है।

शिवपुराण में सावन का उल्लेख : 'शिव महापुराण' में सावन मास की महिमा अत्यंत भावपूर्ण रूप से वर्णित है। इसमें कहा गया है कि इस मास में एक बार 'ओम् नमः शिवाय' का जप करने से सहस्त्र बार जपने के समान फल प्राप्त होता है। इस मास में बिल्वपत्र, धतूरा, आक, गंगा जल और भस्म से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवपुराण के अनुसार श्रावण मास में शिव का पूजन करने वाला जीव इस जीवन में भी सुख प्राप्त करता है और मृत्यु के बाद शिवलोक को प्राप्त करता है।

लोक-संस्कृति और सावन - सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—फकजरीफ, फझूलाफ, फसोहरफ जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है।

भक्ति और योग का समन्वय

सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है। भगवान शिव को योग का अधिपति माना जाता है। 'शिव सूत्र' और 'विज्ञान भैरव तंत्र' जैसे ग्रंथों में शिव ने ध्यान और योग की विविध विधियों को बताया है, जिनका अभ्यास विशेष रूप से सावन में किया जाता है।

इस मास में शरीर और मन का शुद्धिकरण करते हुए उपवास, प्राणायाम और मंत्रजप से व्यक्ति शिव के समीप पहुंच सकता है। महाशिवरात्रि की तरह सावन भी एक रात्रि रूपी अंधकार को चीरकर आत्मा के उजाले की ओर ले जाने वाला अवसर है। भगवान शिव का तपस्वी रूप, उनका वैराग्य, उनका मौन और उनका करुणा से परिपूर्ण स्वरूप, साधक को आत्मा के मूल स्वरूप की याद दिलाता है।

भगवान शिव : सृष्टि के अंतिम सत्य के प्रतीक

भगवान शिव को 'महादेव' कहा गया है—देवों के देव। वे शक्ति और शांति, विनाश और सृजन, ध्यान और तांडव,

करुणा और न्याय का समन्वय हैं। उनका स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम, स्वच्छता और साधना के बिना ईश्वरत्व प्राप्त नहीं होता। शिव वह जड़ नहीं हैं जो केवल मूर्तियों में समाहित हैं, वे चेतना हैं, जो हर व्यक्ति के भीतर विद्यमान है। उनका आशीर्वाद केवल पूजा से नहीं, जीवन के आचरण से प्राप्त होता है।

सावन मास केवल एक कालखंड नहीं, एक चेतना है। यह मास हमें प्रकृति के साथ एकरूपता, भक्ति के साथ ध्यान, उत्सव के साथ संयम और शिव के साथ आत्मा का साक्षात्कार कराता है। भगवान शिव के चरणों में यह मास समर्पित होकर जीवन को पवित्रता, सादगी और दिव्यता की ओर अग्रसर करता है। उनके प्रति की गई एक सच्ची प्रार्थना, एक ध्यान, एक आहुति, जीवन की दिशा को बदल सकती है। सावन में बहती वर्षा की बूँदें जैसे धूल को धोकर स्वच्छता लाती हैं, वैसे ही शिव का नाम और उनकी पूजा जीवन की सारी क्लेश, चिंता और अधर्म को मिटाकर शुद्धता की ओर ले जाती है। इसीलिए, सावन केवल भक्ति का पर्व नहीं, आत्मा की शिव से एकता का मार्ग है—एक यात्रा है शिवत्व की ओर।

(लेखिका पूनम चतुर्वेदी शुक्ला विश्व प्रसिद्ध भाषाकर्मी, साहित्यकर्मी एवं संस्कृति कर्मी हैं और वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों 'न्यू मीडिया सृजन संसार ग्लोबल फाउंडेशन' एवं 'अदम्य ग्लोबल फाउंडेशन' की संस्थापक-निदेशक हैं। लेखिका ने विश्व की दर्जनों प्रसिद्ध सरकारी एवं निजी संस्थाओं)

संपादकीय

तेल का खेल

रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम रहने के बाद ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों पर दबाव बनाकर निकाल रहा है, जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। इसके लिये अमेरिका नाटो के दुरुपयोग से भी नहीं चूक रहा है। आखिर शेष विश्व के देशों के व्यापारिक मामलों में नाटो की दखल का क्या औचित्य है? नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों के दोमुंहेपन को ही बेनकाब किया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये दबाव बनाएं, अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिये तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूसी प्रतिबंध अधिनियम, 2025 की दिशा में बढ़ते समर्थन के साथ मेल खाती है। यह एक विधेयक है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और 171 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यह वही विधेयक है, जो रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिये पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को नई दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का पुरजोर विरोध करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, मास्को भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जिसने मुश्किल वक्त में अन्य देशों के पीछे हटने पर भी भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल देने की पेशकश की थी। भारत द्वारा पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड अपनाने के विरोध करने का तार्किक आधार है। हकीकत यह है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। भारत ने इस दोगली नीति के प्रति अपना मुखर विरोध दिल्ली यात्रा के दौरान नाटो महासचिव के सामने जता दिया था। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह किसी तरह का बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा। इस दिशा में रूस-भारत-चीन वार्ता को फिर से शुरू करने की भारत की पहल बदलते रणनीतिक संतुलन की ओर संकेत करती है। जो वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है। निश्चित रूप से यदि ऊर्जा सुरक्षा यूरोप के लिये अपरिहार्य है तो भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। लेकिन अपने मंसूबों में विफल होने के बाद पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिये रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

(लेखक- ललित गर्ग)

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है।

(चिंतन-मनन)

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अत- भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

विचार मंथन

जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है। जब एक हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और न्याय की कार्यप्रणाली को असंवैधानिक बता दिया है। वह शीर्ष अदालत से न्याय मांगने पहुंचे हैं। यह मामला जितना कानूनी है, उतना ही संस्थागत, नैतिक और संवैधानिक संकट को भी दर्शाता है। संविधान प्रदत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र की विश्वसनीयता और मूल सिद्धान्त पर भी एक प्रश्न चिन्ह है। जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर 'जली हुई नकदी' कांड के बाद गंभीर सवाल खड़े है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी की जांच में उनके खिलाफ ठोस आरोप सामने आए। उनके आवास से नकदी मिलना, असामान्य व्यवहार, सबूतों को लेकर सवाल और जांच में जस्टिस वर्मा का सहयोग नही करने का उल्लेख है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने उन्हें जज के पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने वर्मा को इस्तीफा देने का मौका दिया था। वर्मा ने पेशकश नहीं मानी उन्होंने अंतिम दांव चलते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में इन हाउस जांच प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। एक हाईकोर्ट जज ही न्यायपालिका की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं कर रहा है। फिर आम आदमी न्यायपालिका से क्या उम्मीद करे? वर्मा का कहना है, संसद के अनुच्छेद 124 और 218 के अंतर्गत ही न्यायाधीशों को पद से हटाने की शक्ति निहित है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच असंवैधानिक है। उन्होंने न्याय प्रक्रिया के मूल सिद्धांत, प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन करने का आरोप जांच करने वाले न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश पर लगाया है। सवाल यह है, क्या यह एक दोषी व्यक्ति के बचाव की रणनीति है, या वाकई संवैधानिक बहस की ज़रूरत? क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई साजिश रची गई है। उस साजिश के तहत यह सब किया जा रहा है। यदि वर्मा दोषी हैं, तो उन्हें कठोरतम सज़ा मिलनी ही चाहिए। यदि न्यायपालिका की प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उनमे बहस और सुधार जरूरी है। बर्मा ने अपनी याचिका में जिस तरह के तथ्य रखे हैं। अपराध की जिस तरह से जांच होनी चाहिए। उन नियमों का पालन उनके आरोपों पर नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट रूप से याचिका मे प्रदर्शित हो रहा है। यह मामला सिर्फ वर्मा बनाम सुप्रीम कोर्ट का नहीं है। न्यायपालिका की आंतरिक पारदर्शिता, संविधान के प्रति जवाबदेही तथा नागरिक के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। संविधान सम्मत न्यायपालिका विधायका और कार्यपालिका की भी अग्निपरीक्षा है। देश देख रहा है, क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक बनाकर रख पायेगा। या न्यायपालिका की साख को संस्थागत घेरे में चुप्पी साध कर इस मामले को रफा दफा करने का प्रयास करेगा। पिछले एक दशक में न्यायपालिका जिस दबाव में कार्य कर रही है। न्यायपालिका की कार्यवाही सुझाव और फैसला भी आए दिन चर्चाओं में बने रहते हैं। पिछले एक दशक में सरकार के प्रति न्यायपालिका का झुकाव यह साबित करता है। न्यायपालिका के ऊपर वह भरोसा आम आदमियों को नहीं रहा, जो न्यायपालिका को लेकर 2014 के पहले था। सरकार भी जब बार-बार यह कहती है, सरकार से सहमत नहीं हो तो कोर्ट चले जाओ। पिछले एक दशक में जिस तरह की कार्यवाही न्यायपालिका की होनी चाहिए थी। वह नहीं हुई। न्यायपालिका से सरकार को समय-समय पर संरक्षण मिलता रहा है। जस्टिस लोया जैसे मामले में भी न्यायपालिका ने जिस तरह से फैसला किया। उसके बाद यह माना जाने लगा न्यायपालिका के ऊपर यह सरकार का दबाव है। पिछले एक दशक में कॉलेजियम की अनुशंसाओं पर सरकार ने जिस तरह का पलीता लगाया है। वह भी जग जाहिर है। सरकार अब न्यायपालिका को शायद अपने अधीनस्थ मानकर चल रही है। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्य कारण बताकर बंद लिफाफे में जानकारी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दे रही है। सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा असंवैधानिक रूप से जो कार्यवाही की गई है। उस पर भी न्यायपालिका लंबे समय तक चुप्पी साध कर रखती है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में भी अभी तक यह उजागर नहीं हुआ है, कि उनके यहां जले हुए नोट कितने थे, वह नोट कहां से आए थे, उसके संबंध में फायर ब्रिगेड और दिल्ली पुलिस ने सारी जानकारी एकत्रित क्यों नहीं की। जिसके कारण जस्टिस वर्मा को यह कहने का मौका मिल रहा है, कि उन्हें फसाया गया है। उनके खिलाफ यह एक साजिश है। जांच प्रक्रिया का पालन सही तरीके से नहीं किया गया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जिस तरह से उन्होंने संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने का तथ्य अपनी याचिका में पेश किया है। उससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्न चिन्ह लगा है। जैसे वर्मा ने अपने बचाव के लिए जिस तरह से न्यायपालिका और सरकार के बीच का संघर्ष उजागर किया है। इसमें फैसला कुछ भी हो, भारत की न्यायिक परंपरा या तो मजबूत होगी, या और कमजोर होगी। जिस तरह की स्थितियां वर्तमान में देखने को मिल रही हैं। उसमें बार-बार विपक्ष संविधान को खत्म करने जैसी बात कर रहा है। न्यायपालिका की कमजोरी का लाभ, सरकार और कार्यपालिका उठा रही है। आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 2.85 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का चाय निर्यात सालाना आधार पर 2.85 प्रतिशत बढ़कर 25.79 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का चाय निर्यात 25.07 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 16.12 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14.90 करोड़ किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण भारत से निर्यात 2024-25 में 4.92 प्रतिशत घटकर 9.67 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 10.17 करोड़ किलोग्राम था। प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष 2024 में चाय निर्यात 25.62 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 15.55 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि दक्षिण भारत से यह 10.07 करोड़ किलोग्राम रहा, जो क्रमशः 10.28 प्रतिशत और 11.02 प्रतिशत की वृद्धि है।

म्यूचुअल फंड उद्योग में दस साल में छह गुना वृद्धि

- छोटे फंड हाउसों ने मारी बाजी

नई दिल्ली। पिछले एक दशक में भारत का म्यूचुअल फंड उद्योग तेज़ी से बढ़ा है। 2015 में जहां 41 फंड हाउसों का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) 12.29 लाख करोड़ था, वह अब बढ़कर लगभग 75 लाख करोड़ हो गया है। यह छह गुना वृद्धि देश के छोटे शहरों और खुदरा निवेशकों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच का प्रमाण है। हालांकि इस दौरान दाइवा, एलएंडटी, जेपी मॉर्गन और आईडीएफसी जैसे कई फंड हाउसों ने कारोबार बेचकर बाजार से बाहर भी कदम खींचा। वर्तमान में 47 फंड हाउस सक्रिय हैं, जिनमें 19 के पास एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का एयूएम है। सबसे कम वृद्धि निप्पॉन, फैंकलिन, यूटीआई और आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड में देखने को मिली। उदाहरण के लिए, निप्पॉन का एयूएम चार गुना बढ़कर 6.12 लाख करोड़ हुआ, जबकि फैंकलिन का एयूएम केवल 1.5 गुना बढ़कर 1.14 लाख करोड़ तक पहुंचा। इसके विपरीत छोटे फंड हाउसों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एडलवाइस ने 128 गुना वृद्धि के साथ 1.48 लाख करोड़ का एयूएम हासिल किया। मिरै (99 गुना), मोतीलाल ओसवाल (38 गुना), एचएसबीसी (17 गुना) और पीपीएफएएस (19 गुना) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से डीमैट खाते 2019 के 3.6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 19.4 करोड़ हो गए हैं। सेबी के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों का स्वामित्व 13 से बढ़कर 20 फीसदी हो गया है, जबकि विदेशी निवेशक 22 से घटकर 17 फीसदी पर आ गए हैं। इससे बाजार की आत्मनिर्भरता और गहराई में इजाफा हुआ है।

नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारत सरकार के नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत चीनी कंपनियां किसी भारतीय कंपनी में 24 फीसदी तक की हिस्सेदारी बिना सुरक्षा मंजूरी के ले सकेंगी। यह प्रस्ताव 2020 में सीमा विवाद के बाद लागू किए गए कड़े नियमों में बदलाव का हिस्सा है। वर्तमान में चीनी निवेश के लिए गृह और विदेश मंत्रालय की मंजूरी अनिवार्य होती है, जिससे बड़े सौदों में देरी होती है। नीति आयोग का मानना है कि नियमों में ढील से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)बढ़ेगा। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी मंत्रालयों और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा विचाराधीन है और इसे राजनीतिक स्तर पर अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। 2023 में चीन की बीवाईडी की इलेक्ट्रिक कार में निवेश योजना इसी नियम के कारण टल गई थी।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने की जरूरतः रघुराम राजन

- कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली।

वाशिंगटन में इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर पांचवें दौर की बातचीत हुई। भारत ने अमेरिका से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क, इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क तथा वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने की मांग दोहराई है। वार्ता के बीच पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अपने कृषि उत्पादकों को भारी सब्सिडी देते हैं, जबकि भारत के किसान छोटे और सीमित संसाधनों वाले हैं। ऐसे में यदि आयात पर अधिक रियायतें दी गईं तो इससे देश के किसानों को नुकसान हो सकता है। राजन ने कहा कि भारत को चाहिए कि वह डेयरी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर मूल्यवर्धन की दिशा में काम करे, न कि विदेशी दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए बाज़ार खोले।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि व्यापार समझौते करते समय भारत को संतुलित और रणनीतिक रुख अपनाना चाहिए। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, हालांकि आगे इसमें थोड़ी गिरावट संभव है। साथ ही यदि अमेरिका चीन और अन्य देशों पर उच्च शुल्क बनाए रखता है, तो इससे भारत के लिए नए व्यापार और विनिर्माण अवसर खुल सकते हैं।

भारत अब तक किसी भी व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी पर शुल्क रियायत नहीं देता रहा है, और इस रुख को फिलहाल बरकरार रखा गया है।

आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड ईमेल के प्रति जारी की चेतावनी

- बैंक विवरण न भेजने की दी गई सलाह

नई दिल्ली।

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक अहम सूचना जारी करते हुए करदाताओं को फर्जी ईमेल से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी ईमेल के माध्यम से करदाताओं से बैंक विवरण या अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगता नहीं है। ऐसे फर्जी ईमेल आयकर रिफंड की स्थिति की जांच के नाम पर भेजे जा रहे हैं, जिनमें तत्काल मैन्युअल पुष्टि करने की मांग की जाती है। आयकर विभाग ने इसे पूरी तरह से धोखाधड़ी बताया है। आयकर विभाग ने करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने कर रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइटपर ही जांचें। किसी भी संदिग्ध ईमेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। विभाग का कहना है कि फर्जी ईमेल आमतौर पर लोगों को लुभाने के लिए झूठी आश्वासन और आपातकालीन कार्रवाई की मांग करते हैं, जिससे वे उनके बैंक या अन्य संवेदनशील विवरण चुरा सकते हैं।

अब 9 कैरेट सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पाट्र्स पर थाउज़ेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है। सोने की घड़ियों और पेन को अब हॉलमार्किंग से बाहर कर दिया गया है। इन्हें अब कलाकृति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, सोने के सिक्कों के लिए भी नया मानक तय किया गया है। अब केवल 24केएफ या 24केएस शीट से बने सिक्के ही शुद्ध माने जाएंगे। ये केवल अधिकृत रिफाइनरी या सरकारी टकसाल द्वारा बनाए जा सकते हैं और इनकी कोई कानूनी मुद्रा वैल्यू नहीं होगी।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख रहा

- सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद

- निफ्टी 166 अंकों गिरकर 24,945.45 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253.46 पर और निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने थोड़ी राहत दी और दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 317 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 113 अंकों की मजबूती के साथ 25,195.80 पर पहुंचा। हालांकि यह तेजी टिक नहीं सकी और बुधवार से फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को बाजार ने और ज्यादा दबाव महसूस किया। सेंसेक्स 375 अंक गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 100 अंक टूटकर 25,111.45 पर आ गया। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बिकवाली और बढ़ गई। सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर

81,757.73 पर बंद हुआ और निफ्टी 166 अंकों की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ। सप्ताहभर की बात करें तो सेंसेक्स में लगभग 510 अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी ने करीब 133 अंक गंवाए। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की सतत बिकवाली, आईटी सेक्टर में दबाव और वैश्विक संकेतों की अनिश्चितता रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकेतकों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नज़र रखते हुए।

पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स

-बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना जरुरी

मुंबई।

सेबी अध्यक्ष तुहिनकांत पांडे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पार्टिसिपेंट्स को मूल्य अनिश्चितता का प्रबंधन कर, राजस्व जोखिमों को कम कर और बिजली क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर ज्यादा प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेंगे। एनएसई ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के तहत मंथली इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट और नए स्पॉट मार्केट डैशबोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। इस प्रोडक्ट का उद्देश्य भारत के बढ़ते बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए अत्यंत जरुरी हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना है।

पांडे ने कहा कि ये भारत के पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है। एक विश्वसनीय, सस्टेनेबल और निवेशक-अनुकूल बिजली क्षेत्र के लिए गहन और लिक्विड इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स मार्केट जरुरी होगा। एनएसई के एमडी और सीईओ ने कहा कि यह लॉन्च भारत के बिजली बाजार में एक अहम मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाता है और साथ ही हमारे घरेलू बिजली क्षेत्र की विशिष्ट जरुरतों को भी पूरा करता है।

सेबी, सीईआरसी और कई बाजार सहभागियों की मदद से यह प्रोडक्ट भारत के ऊर्जा उपभोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसई में इसके शुभारंभ के शुरुआती सप्ताह में ही इस उत्पाद में अच्छी भागीदारी नजर आई। 17 जुलाई तक तीन कॉन्ट्रैक्ट महीनों अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में 14 जुलाई से कुल मिलाकर 20,822 लॉट का कारोबार हुआ, जिसमें कुल कारोबार मूल्य 450 करोड़ रुपए को पार कर गया।

अगस्त महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 17 जुलाई तक, 20,421 लॉट का कारोबार हुआ, जिनकी कीमतें 4,356 रुपए एमडब्ल्यूएच से लेकर 4,364 रुपए एमडब्ल्यूएच तक थीं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में 26,994 करोड़ का मुनाफा

- पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 15,138 करोड़ था

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल 78.3त्न बढ़कर 26,994 करोड़ पहुंच गया, जो पिछली तिमाही में 19,407 करोड़ और पिछले साल इसी तिमाही में 15,138 करोड़ था। मुनाफे में उछाल का मुख्य कारण एशियन पेंट्स में 4.9 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री रही, जिससे कंपनी को एकमुश्त 8,924 करोड़ रुपए की कमाई हुई। हालांकि, कंपनी की कुल संचयी शुद्ध आय में सिर्फ 5.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो बाजार की अपेक्षाओं से कम रही। पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी की आय में 6.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पहली तिमाही में रिलायंस की परिचालन आय 2.48 लाख करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.36 लाख करोड़ के मुकाबले 5.26 फीसदी अधिक है। तेल से रसायन और तेल एवं गैस कारोबार में उत्पादन में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण इस सेगमेंट की आय में 1.5 फीसदी की गिरावट आई। कंपनी की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स और खुदरा व्यवसाय रिलायंस रिटेल ने इस तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। जियो-बीपी के माध्यम से परिवहन ईंधन के विस्तार से भी कंपनी को लाभ मिला।

ट्रंप ने दिए संकेत अमेरिका को बनाएंगे क्रिप्टो की राजधानी, कई बड़े समझौते भी होंगे

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जल्द ही कुछ बड़े व्यापारिक समझौते हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ये समझौते तकरीबन तैयार हैं और किसी भी समय घोषित किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि हम इसे आज ही कर सकते हैं...शायद थोड़ी देर बाद। हम करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि जब मैं किसी देश को यह पेपर भेजता हूं कि उन्हें 35 या 40 फीसदी टैरिफ देना होगा, तो वहीं से डील शुरू हो जाती है। फिर वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि क्या कुछ अलग तरह की डील हो सकती है, जैसे कि अपने देश को व्यापार के लिए खोलना।

ट्रंप ने कहा कि जीईएनआईयूएस एक्ट एक साफ और सरल नियामकीय ढांचा प्रदान करता है, जो डॉलर समर्थित स्टेबलकॉइनों की जबरदस्त संभावनाओं को सामने लाएगा। यह अधिनियम स्टेबलकॉइन के लिए मानक तय करता है, जो अमेरिकी डॉलर या अन्य फिएट मुद्राओं से जुड़े डिजिटल करेंसी होते हैं। इसकी निगरानी फेडरल रिजर्व और मुद्रा नियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके तहत जारीकर्ताओं को जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा कि उनके पास आरक्षित निधियों के रूप में अमेरिकी मुद्रा, मांग जमा, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य स्वीकृत परिसंपत्तियां मौजूद हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाना चाहते हैं। उनके मुताबिक स्टेबलकॉइनों का इस्तेमाल अमेरिकी ट्रेजरी में मांग को बढ़ाएगा, ब्याज दरों को कम करेगा और डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में मजबूत बनाएगा।

ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत अमेरिका द्वारा लगाए टैरिफ की 90 दिनों की स्थगन अवधि को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त तक कर दी गई है। इस दौरान कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ वार्ता जारी है। ट्रंप ने साफ कहा कि 1 अगस्त की समय-सीमा के बाद कोई और बदलाव या विस्तार नहीं होगा और उस दिन से टैरिफ लागू होना शुरू हो जाएगा।

इस अवसर पर ट्रंप ने एक ऐतिहासिक स्टेबलकॉइन अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए, जो इस क्षेत्र में अमेरिका का पहला संघीय विनियमन है।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

- ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल की

नई दिल्ली।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों–रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

दुर्लभ मैग्नेट की पाबंदियों में भारत को ढील दे सकता है चीन

- चीन ने हाल में आरईएम)के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया

नई दिल्ली।

चीन सरकार के अधिकारियों ने भारत को सूचना दी है कि दुर्लभ खनिज कच्चे माल की आपूर्ति चाहने वाले भारतीय आयातकों से हो सिल हुए आवेदनों को निपटाया जा रहा है। चीन ने हाल में दुर्लभ खनिज मैग्नेट (आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया है। दुर्लभ मैग्नेट 4 अप्रैल से चीन द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के दायरे में है। यह वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और यहां तक कि रक्षा जैसे उद्योगों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर बढ़ाए गए शुल्क के जवाब में यह प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले महीने भारतीय वाहन उद्योग ने दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति के बारे में चिंता जताई थी। उद्योग ने चीन द्वारा लगाई गई निर्यात पाबंदियों पर सरकार के समक्ष अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय से इन दुर्लभ खनिज कच्चे माल के आयात की मंजूरी मिलने में देरी के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों सहित भारतीय वाहन विनिर्माताओं का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आवेदनों को निपटाने में देरी हुई है क्योंकि चीन के पास निर्यात मंजूरी के लिए आवेदनों की अचानक बाढ़ सी आ गई है। एक अधिकारी ने कहा कि चीन ने लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को काफी लंबा और जटिल बना दिया है। आवेदनों की अचानक आई बाढ़ को संभालने के लिए फिलहाल वे पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। मगर हमें सूचित किया गया है कि उन्होंने आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए हमारा मानना है कि अब यह मामला कुछ समय में ही हल हो जाएगा।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी

- दोनों कंपनियों के बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली।

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है।

अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं।

हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी।

कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है। वहीं टेस्ला, अगस्त 2025 से भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर रही है और हर महीने 5 लाख कारें बनाने की योजना बना रही है। भारत में बढ़ते ईवी रुझान को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वाकांक्षी माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संकट में एशिया कप ! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई, सामने आई बड़ी वजह

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी अधर में लटका हुआ है।

भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है। हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति ने इस अफरा-तफरी को और बढ़ा दिया है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि भारत ढाका में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगा और उसने पहले ही आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध कर दिया है। लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

सूत्र ने एएनआई को बताया कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। उन्होंने कहा कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे बैठक स्थल बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नक़वी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। गौरतलब है कि नक़वी वर्तमान में पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री दोनों हैं, और इस दोहरी भूमिका ने एशिया कप की तैयारियों के राजनीतिक पहलुओं को और जटिल बना दिया है।

परांजपे को बुमराह के अगले दो टेस्ट खेलने और भारतीय टीम के वापसी करने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड सीरीज में वापसी करते हुए एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। परांजपे के अनुसार युवा खिलाड़ियों से भरी इस टीम को कम आंकना भूल होगी क्योंकि ये वापसी करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि टीम ने अब तक इस दौरे में बेखौफ होकर खेला है। उसे जो हार मिली है वह भी करीबी अंतर से मिली है। परंपजे ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बचे हुए दो टेस्ट मैचों में खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज के पहले कहा था कि वह पूरे मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उन्हें एक मैच खेलना है और वो कौन सा होता है ये देखना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में मिली हार के बाद दूसरे मैच में जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया था लॉर्ड्स में हालांकि टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब सीरीज में बराबरी के लिए भारतीय टीम को किसी भी हाल में चौथा टेस्ट जीतना होगा। परांजपे का मानना है कि इस युवा टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता क्योंकि टीम पहले ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से आगे बढ़ चुकी है और ये युवा टीम मैनचेस्टर में वापसी करने की क्षमता रखती है। परांजपे ने कहा ÷इस टीम को खारिज करना सही नहीं होगा। अगला टेस्ट रोमांचक होने वाला है।' चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा कि वह अगले दो टेस्ट खेल खेलेंगे ऐसा मुझे लगता है।' वहीं भारतीय बोर्ड इस सीरीज से पहले ही कह दिया था कि बुमराह दौरे में केवल तीन मैच ही खेलेंगे।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी।

इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। वहीं टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देगी।

डब्ल्यूसीएल में आज होगा इंडिया चैम्पियंस व पाकिस्तान चैम्पियंस का मुकाबला

लंदन (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 के तहत रविवार को मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें 20 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में टकरायेंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9 बजे शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कई रिटायर्ड पूर्व क्रिकेटर खेल रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस टीम में युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन और पठान ब्रदर्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस टीम में शाहिद अफरीदी और मिस्बाह उल हक जैसे पुराने दिग्गज दिखेंगे। पाक की टीम ने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम अपने पहले ही मुकाबले में पाक के खिलाफ

बड़ी जीत दर्ज करना चाहेग। दोनो ही देशों के मुकाबल रोमांचक होने के साथ ही तनावपूर्ण भी होते हैं। इस दौरान रोमांच अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। प्रशंसक एक बार फिर अपने पसंदीदा सितारों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते देखना चाहते हैं। इस मैच से प्रशंसकों का पुराने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके जरिये पूर्व क्रिकेटर खेल से जुड़े रहते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंडिया चैम्पियंस- युवराज सिंह, शिखर धवन, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला, स्टुअर्ट बिन्नी, वरुण आरोन, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, सिद्धार्थ कौल, गुरकीरत मान।

पाकिस्तान चैम्पियंस- मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, सरफराज अहमद, शरजील खान, वहाब रियाज, आसिफ अली, शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, आमेर यामीन, सोहेल खान, सोहेल तनवीर।

क्लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये । क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बैंच पर ही बैठे रह गये हैं । उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी । क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है । साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं । भारतीय टीम ने इस सीरीज में बल्लेबाजी को मजबूत करने स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को रखा है । क्लार्क का मानना है कि अब कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना इसलिए भी कठिन हो रहा है क्योंकि सुंदर ने 40 रन बनाने के साथ ही चार विकेट भी पिछले मैच में लिए थे । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए रविंद्र जडेजा की जमकर तारीफ की है । उन्होंने कहा कि तीसरे टेस्ट में जडेज ने काफी प्रयास किया था पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला । भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में हार से उबरकर मैनचेस्टर टेस्ट के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है । इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है । क्लार्क का मानना है कि तीसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम ने अंतिम पलों में अपना संयम बनाये रखा होता तो उसे जीत मिल जाती क्योंकि मैच भारतीय टीम के पास आ गया था ।

डब्ल्यूडब्यलूई अनरियल से सामने आयेगी रेसलिंग की सच्चाई

मुम्बई । डब्ल्यूडब्यलूई रेसलिंग के शौकीनों को आने वाले दिनों में इसका एक नया शो दिखने को मिलेगा । डब्ल्यूडब्यलूई अनरियल नाम के इस शो से डब्ल्यूडब्यलूई के प्रशंसकों को इसके पीछे की बातें भी देखने को मिलेंगी । इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे लेखक और पहलवान मिलकर कहानियां बनाते हैं । शो में शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक के बीच एक बातचीत भी दिखाई जाएगी । इसमें वे रिंग में पेशाब और पॉटी करने के बारे में बात कर रहे हैं । यह शो अंदर की कुछ सच्चाईयों को उजागर करेगा । इस शो से पता चलेगा कि लेखक के कमरे का क्या माहौल होता है । यह पहली बार है जब प्रशंसक इस शो के अंदर की बातें जान सकेंगे । शो में पहलवान और लेखकर किस प्रकार कहानियां बनाते हैं है इसमें कई ऐसी बातों भी होंगी जो प्रशंसकों को अच्छी न लगें । शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक की बातचीत से पता चलता है कि शो में कुछ कड़वी बातें भी दिखाई जाएंगी । इस सब बातों का मकसद ये पता करना है कि वास्तव में होता क्या है । रेसलिंग एक बहुत ही कठिन खेल है । इसमें कई बार दुर्घटनाएं होती रहती हैं । अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि इसके पीछे की कितनी बातें सामने आती हैं । इसमें कुछ बातों पर विवाद भी हो सकता है । अब देखते हैं क्या होता है ।

मुरलीधरन से बेहतर गेंदबाज थे वार्न : लारा

जमैका । विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं । इन दोनो की गेंदबाजी का सामना करना बड़े से बड़े बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है । वार्न ने जहां टेस्ट में 708 विकेट जबकि मुरली ने 800 विकेट लिए है । ऐसे में कई बार सवाल उठता है कि इन दोनो में से कौन अधिक बेहतर है । वहीं को लेकर अब वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ये दोनों ही बेहतरी गेंदबाज रहे हैं पर वह वार्न को सबसे अच्छा मानते हैं । लारा पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल, एलेस्टेयर कुक, माइकल वान और डेविड लॉयड से एक कार्यक्रम में बात कर रहे थे । लारा ने कहा, वार्न सबसे बेहतर हैं । साथ ही कहा कि मैं मुरली के खिलाफ बल्लेबाज में मैं घबरा जाता । संशय में आ जाता हूं तीन मैच की सीरीज में 688 रन बनाए थे और पहले ही हाफ में मुरली की एक गेंदबाजी पर परेशान हो गयार था पर मुरली ने ज्यादा मुझे वार्न की गेंदों पर परेशानी रही । वार्न के बारे में लारा ने कहा कि वह उनकी गेंदों को अच्छे से खेलते थे पर उनकी गेंदें काफी अच्छी होती थी और उनके स्पेल फेंकने की क्षमता काफी अच्छी थी । अगर दोनों महान गेंदबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुरलीधरन ने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1347 विकेट लिए हैं । इसमें 77 तो 5 विकेट हॉल हैं । उन्होंने 22 बार मैच में 10-10 विकेट लिए । वहीं वार्न ने टेस्ट और एकदिवसीय में 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1001 विकेट लिए ।

शुभममन को विफल करनी होगी स्टोक्स की रणनीति : जाफर

-तीसरे टेस्ट में बनाया था निशाना

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय किकेट टीम को अब तक इंग्लैंड दौरे में उतनी सफलता नहीं मिली है जिसकी उसे उम्मीद थी। भारतीय टीम ने तोनो ही टेस्ट मैचों में मेजबानों से बेहतर खेला पर हालात का लाभ वह नहीं उठा पायी जिससे इंग्लैंड को सीरीज में 1-2 से बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफ़र ने कहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर अंकुश लगाने की जो रणनीति अपनायी थी। वह सफल रही और शुभमन दोनो ही पारियों में अधिक रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब मैनचेस्ट में भी इंग्लैंड का लक्ष्य शुभमन को शुरुआत में आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा।

जाफ़र ने कहा कि एजबेस्टन में शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने 430 रन बनाए और मेजबान टीम समझ गयी थी कि अगर भारतीय टीम को कम रनों पर रोकना है तो शुभमन को जल्द आउट करना होगा। इंग्लैंड की ये रणनीति तीसरे टेस्ट में सफल रही। जाफ़र ने कहा कि शुभमन को अंदर आती गेंदों पर परेशानी होती है जिसका लाभ विरोधी टीम ने उठाया जिससे शुभमन दोनों पारियों में 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। जाफ़र ने ये भी कहा कि अब तक भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन शुभमन ने बनाये हैं और उम्मीद है कि कि वह मैनचेस्टर में मेजबान टीम की रणनीति को फेल करने के इरादे से उतरेंगे। साथ ही कहा कि शुभमन अभी दो और शतक लगा सकते हैं बस वो थोड़ा संयम से खेलें और पहले 20-25 रन बना लें। इसी कारा गिल ने अभ्यास सत्र में बल्लेबाज़ी कोच सितांशु कोटक के साथ काफ़ी देर तक काम भी किया। उन्होंने इन स्विंग का सामना करने के लिए कई थ्रो डाउन भी लिया।

जाफ़र ने आगे कहा कि टीम युवा है और इस टीम को सलाह की जरुर । नियंत्रित आक्रामकता के साथ खेलने पर

टीम इंडिया अभी भी सीरीज़ जीत सकती है। साथ ही कहा कि इस सीरीज में अब तक भाग्य भी भारतीय टीम से रुठा नजर आया। अगर ऐसा नहीं होता तो भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में तीनो ही मैच जीती होती। लीड्स में 372 रन बनवा दिए और लॉर्ड्स में टीम 192 नहीं बना पाई। पहले टेसट में पांच शतक के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा ।

सिराज को भी आराम देने पर सोचे बीसीसीआई : चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन पर तो काफी बातें कहीं हैं जो ठीक भी हैं पर दूसरे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कुछ नहीं कहा है । चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले सिराज के कार्यभार प्रबंधन की कोई भी बात नहीं सुनी गयी जो ठीक नहीं है । आकाश के अनुसार सिराज भी काफी ओवर फेंकते हैं और फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्हें भी आराम दिया जाना जरुरी है । बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज से पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह तीन ही मैच खेलेंगे । चोपड़ा ने सिराज के समर्थन में कहा कि वह टेस्ट मैचों में लंबे स्पेल करते हैं, लेकिन उन्हें आराम देने के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है । उन्होंने कहा, वह बहुत कड़ी मेहनत करते हैं । वह बहुत सारे ओवर फेंकते हैं । इसके बाद भी कोई उनके बारे में बात नहीं कर रहा है हालांकि, वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं । जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं तो पूरे दिल से और तेजी से दौड़कर गेंदबाजी करते हैं । कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, तो सिराज ने पूरी जिम्मेदारी उठाई थी । तब युवा आकाश दीप सिंह के साथ गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए सिराज ने दूसरे टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे । उनके इस दमदार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया ने इस मैच में जीत हासिल की थी । इस पूरी सीरीज की बात की जाए तो सिराज ने अब तक खेले तीन टेस्ट मैचों में कुल 13 विकेट लिए हैं । उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन दूसरे टेस्ट मैच में रहा था ।

स्पिनर फरहान ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

लंदन । इंग्लैंड के स्पिनर फरहान अहमद ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी है । फरहान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ पांच विकेट लिए । 17 साल के फरहान नॉटिंघमशायर की और से टी20 इतिहास में हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं । उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर कुल 5 विकेट लिए । पिछले साल फरहान ने 16 साल की उम्र में टीम की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था । इसी साथ ही वह क्लब के सबसे युवा एफसी क्रिकेटर बन गये थे । उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 140 रन देकर 7 लिए थे । फरहान ने हैट्रिक और पहली बार सीमित ओवर क्रिकेट में पांच विकेट लिए हैं । पिछले सत्र में ब्रिटेन में एफसी क्रिकेट में एक मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए थे. फरहान ऐसा करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे । उन्होंने लंकाशायर को केवल 126 रन पर पेवेलिया भेज दिया । वहीं उनके भाई रेहान अहमद ने गत वर्ष पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की ओर से सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू का रिकार्ड बनाने के साथ ही पहले पांच विकेट भी लिए थे ।

ऋतुराज ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार तोड़ा

मुम्बई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इंग्लैंड के काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया अपना करार तोड़ दिया है । ऋतुराज ने इस क्लब के साथ कांउटी क्रिकेट के 5 मैचों के लिए करार किया था और वह 22 जुलाई से खेलने भी वाले थे पर इसके ठीक पहले उन्होंने निजी कारणों से इंग्लैंड जाने से इंकार कर दिया । इस प्रकार अचानक ही अपना नाम वापस लेकर ऋतुराज ने यॉर्कशायर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं । टीम को अब उनके जैसा बल्लेबाज तलाशने के लिए काफी प्रयास करना होगा । इस क्रिकेटर का कहना है कि वह निजी कारणों ने नाम वापस ले रहे हैं । यॉर्कशायर ने गायकवाड़ के नाम वापस लेने की पुष्टि की है । गायकवाड़ ने हाल में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए के लिए कुछ मैच खेले थे जिसके बाद उनके काउंटी खेलने की संभावनएं काफी बढ़ गयी थीं । इस बल्लेबाज को आईपीएल 2025 के दौरान चोट लगी थी जिस वजह से वह 5 ही मैच खेल पाए थे । टीम के मुख्य कोच एंथनी मैकग्राथ ने गायकवाड़ के हटने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि टीम उनके विकल्प की तलाश करेगी हालांकि उन्हें भरोसा नहीं है कि उनके पास विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त समय है । मैकग्राथ ने कहा, बदकिस्मती से, गायकवाड़ निजी कारणों से अभी नहीं आ रहे हैं । वह बच हुए सत्र के लिए भी टीम में नहीं रख पाएंगे । यह निराशाजनक है । उन्होंने आगे कहा, अब बस दो या तीन दिन ही बचे हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि हमें कोई अन्य खिलाड़ी मिल पाएगा । गायकवाड़ ने 38 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और 41.77 की औसत से 2632 रन बनाए हैं ।

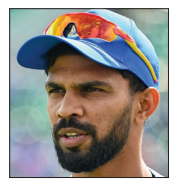

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित ज़मीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए।

अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, ज़मीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया।

हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, ÷मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फ़ज़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।÷ इस निराशा के बावजूद, नदीम अपने खेल पर केंद्रित हैं। 28 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी ने युवा एथलीटों को प्रशिक्षित करने और उनका मार्गदर्शन करने के प्रति अपने समर्पण पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा ध्यान खुद पर है, लेकिन इसके अलावा, हम प्रशिक्षण के लिए आने वाले किसी भी युवा को प्रशिक्षित करते हैं, और यह प्रशिक्षण मेरे कोच सलमान बट द्वारा दिया जाता है।' गौरतलब है कि नदीम के ओलंपिक गौरव तक के सफ़र को किसी ख़ास संस्थागत सहायता का समर्थन नहीं मिला, जिससे उनकी उपलब्धि और भी उल्लेखनीय हो जाती है। आगामी 16 अगस्त को सिलेसिया डायमंड लीग में होने वाला मुकाबला पेरिस ओलंपिक के अविस्मरणीय मुकाबले के बाद अरशद और नीरज के बीच पहला मुकाबला हो सकता है।

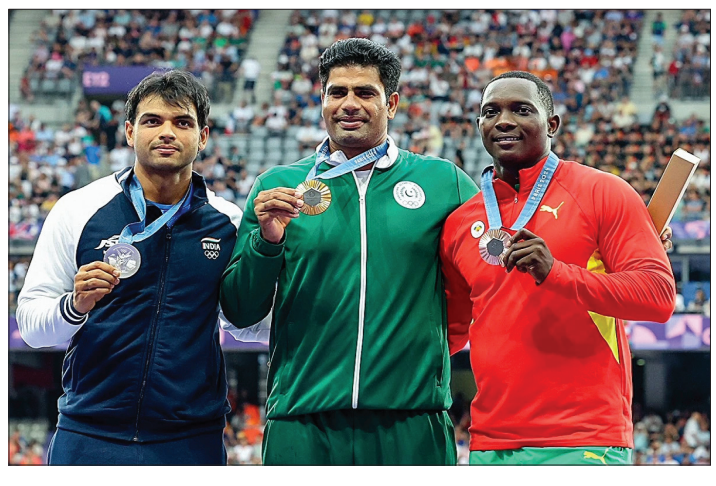

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

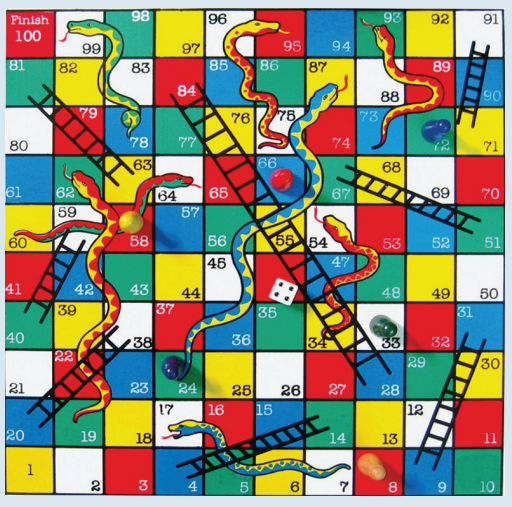

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है। ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

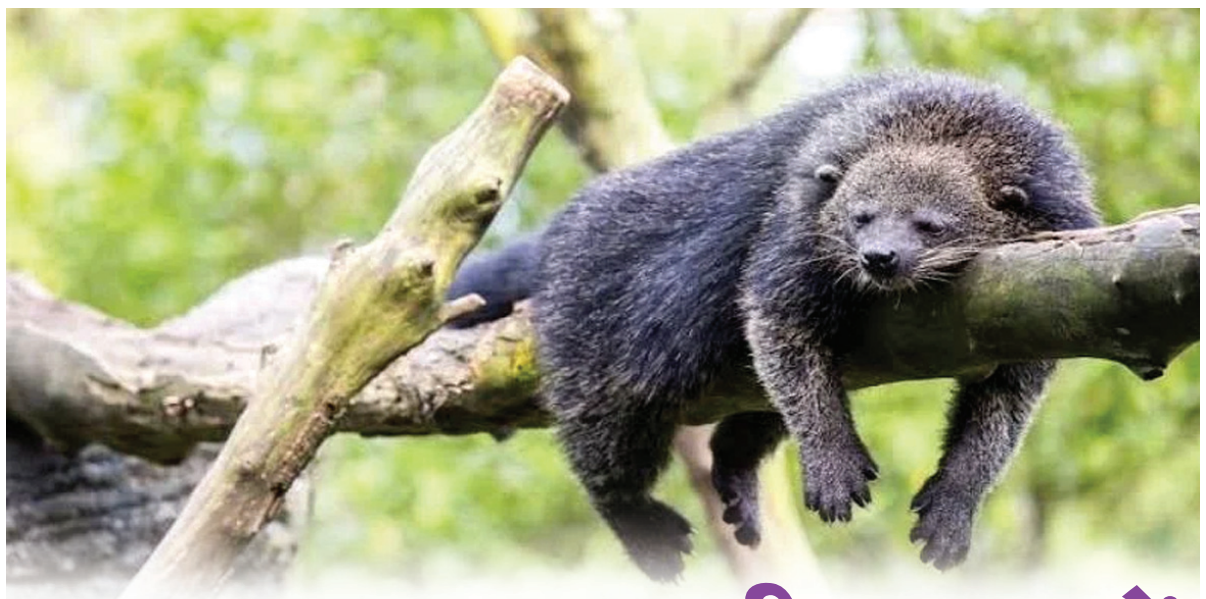

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

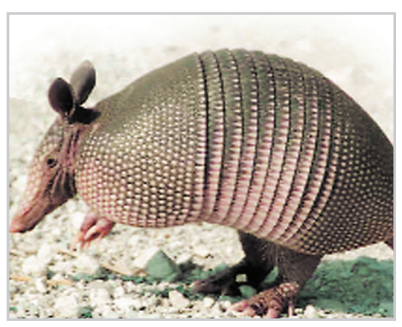

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

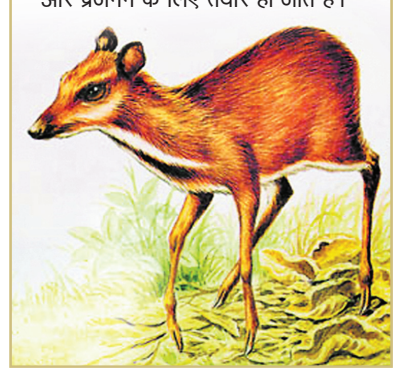

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर' ।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिर आई एयर इंडिया के विमान में खराबी, उड़ान भरते ही वापस की लैंडिंग

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाइलैंड के फुकेट के लिए शनिवार सुबह रवाना हुई एयर इंडिया का एक विमान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद वापस लौट आया। फ्लाइट संख्या आईएक्स1110 सुबह 6:40 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी, जो तय समय से करीब 20 मिनट की देरी में थी। यह विमान फुकेट में सुबह 11:45 बजे लैंड होना था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौट आया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान ने उड़ान तो भरी, लेकिन बहुत दूर नहीं जा सका और हैदराबाद में वापस सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, इस समय तक एयरलाइन या एयरपोर्ट अधिकारियों की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है कि विमान को वापस क्यों लौटाया गया। यह एक बोइंग 737 मैक्स 8 विमान था। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में भारत में उड़ानों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी सप्ताह दिल्ली से इम्फाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5118 में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे लौटना पड़ा था। तकनीकी जांच के बाद विमान दोबारा दोपहर 12:30 बजे रवाना हुआ और 2:53 बजे इम्फाल पहुंचा, जो उसके निर्धारित समय 1:10 बजे से काफी देरी से था। इससे पहले 19 जून को दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली लौटना पड़ा था। बता दें 6 मई को बैंकॉक से मास्को जा रही एअरोफ्लोट की फ्लाइट एसयू273 को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी, जब विमान के केबिन में धुएं जैसी गंध महसूस की गई थी। अप्रैल में जेद्दाह से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट को संदिग्ध टायर पंचर की आशंका के चलते दिल्ली में आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। उस समय विमान में 404 यात्री सवार थे, और उनको सुरक्षित उतार लिया गया था।

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने को क्रूरता मानते हुए तलाक का आधार माना है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने पति के तलाक के फैमिली कोर्ट के फैसले को सही माना है। महिला अपने पति पर एक्स्ट्रा मटेरियल अफेयर का शक करती थी। पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती थी। पति ने फैमिली कोर्ट में मामला दाखिल किया था। फैमिली कोर्ट ने इसे तलाक के लिए जायज माना, और तलाक मंजूरी दे दी थी। इसके खिलाफ महिला ने मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह मामला महाराष्ट्र के पुणे का है। पति पत्नी की शादी 2013 में हुई थी। 2014 से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। 2015 में पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई थी। फैमिली कोर्ट ने तलाक मंजूर कर लिया था। इसकी अपील हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलोम जेम्स को जमानत, परिवार से शिलांग पुलिस पर उठाए सवाल

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में तीसरे आरोपी शिलोम जेम्स को जमानत मिलने के बाद इंदौर में आक्रोश का माहौल है, और राजा की मां उमा रघुवंशी की तबीयत बिगड़ गई है। परिवार का आरोप है कि इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और उसके भाई गोविंद का हाथ है। राजा के परिवार का कहना है कि अगर आरोपियों को जमानत मिलती है, तब वे आत्महत्या करने वाले है। उनका मानना है कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, राजा की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। परिवार अब इस मामले को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की तैयारी में है। कोर्ट ने जिन तीन आरोपियों को जमानत पर रिहा किया है, उनके नाम इस प्रकार हैं लोकेंद्र सिंह तोमर ने सोनम ने राजा की हत्या के बाद इनके फ्लैट का इस्तेमाल छिपने के लिए किया था और वह आठ दिनों तक वहीं रुकी थी। बलवीर अहिरवार उर्फ बल्ला, यह लोकेंद्र सिंह तोमर के फ्लैट का सिक्योरिटी गार्ड था। शिलोम जेम्स जो कि एक ब्रोकर है और उस पर सबूत मिटाने के आरोप थे। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और भाई गोविंद का हाथ होने का आरोप लगाया है। विपिन का दावा है कि गोविंद सोनम के संपर्क में है और वहीं आरोपियों को जमानत दिलाने में मदद कर रहा है। विपिन ने सोनम की राखी बांधते समय की फोटो भी मांगी है, ताकि दोनों के गहरे रिश्तों को साबित किया जा सके। विपिन रघुवंशी ने चेतावनी दी है कि अगर सोनम और बाकी आरोपियों को जमानत मिल गई, तब हम पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेने वाले है। उन्होंने शिलांग पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाकर पूछा है कि डेथ सर्टिफिकेट न मिलने के बावजूद तीनों आरोपियों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा, ये कैसी जांच है शिलांग पुलिस की?

महाराष्ट्र में 30 हजार से ज्यादा नर्सें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

मुंबई (एजेंसी)।महाराष्ट्र में सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा गए हैं। राज्यभर की 30,000 से अधिक नर्सें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गई हैं। नर्सों के इस सामूहिक आंदोलन से सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा संस्थानों की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। नर्सों की यह हड़ताल महाराष्ट्र राज्य नर्सेज एसोसिएशन के नेतृत्व में की जा रही है। एसोसिएशन का कहना है कि सातवां वेतन आयोग लागू होने के बावजूद वेतन विसंगतियां दूर नहीं की गई हैं, जिससे हजारों नर्सों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे पहले, 15 और 16 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में राज्यभर से आई नर्सों ने दो दिवसीय धरना प्रदर्शन किया था। प्रशासन से कोई ठोस आश्वासन न मिलने के कारण अब नर्सों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता चुना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार हड़ताल को समाप्त करने के लिए प्रयास कर रही है और जल्द ही नर्सेज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की संभावना है।

नीतीश की फ्री बिजली पर यूपी के ऊर्जा मंत्री का तंज- ना बिजली आएगी, ना बिल आएगा...

-बिलावल भुट्टो ने दावा किया, पाकिस्तान में मिलने पर सौंप देंगे

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एके शर्मा ने बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा पर हकीकत बयान करने जैसा तंज कसा है। ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि बिहार में बिजली मुफ्त है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब बिजली सप्लाई होगी।

इसी के साथ यूपी के ऊर्जा मंत्री शर्मा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्लान को घेरे में लेते हुए तंज करते हुए कहा, ना बिजली आएगी और ना ही बिल आएगा... फ्री हो गई बिजली। हम बिजली दे रहे हैं। यहां बताते चलें कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीएम नीतीश कुमार द्वारा 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा के संदर्भ में आया है।

यहां मंत्री शर्मा ने बयान दिया वहां राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया। दरअसल बिहार में नीतीश सरकार भाजपा के समर्थन से चल रही है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में घोषणा की थी कि 1 अगस्त 2025 से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। वैसे तो सीएम की इस घोषणा को चुनावी वादे के तौर पर ही देखा जा रहा है, लेकिन यूपी के मंत्री शर्मा के बयान ने इस पर न सिर्फ सवाल खड़े कर दिए, बल्कि लोग तो यही कह रहे हैं कि उन्होंने हकीकत बयान कर दिया है। आखिर उत्तर प्रदेश में भी तो भाजपा की ही योगी सरकार है, जिसके कि शर्मा ऊर्जा मंत्री हैं। उनसे ज्यादा सरकार के बयानों की हकीकत कौन जान सकता है। ऐसे में कहा यही जा रहा है कि मंत्री शर्मा के बयान से स्पष्ट हो रहा है कि बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा को लेकर यूपी सरकार आशंकित है और इसे व्यवहारिक रूप से लागू करने की संभावनाओं पर संदेह जताया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि बिहार की तर्ज पर यूपी में बिजली फ्री करने की मांग उठे उससे पहले ही मंत्री ने अपने बयान से स्पष्ट कर दिया है कि ऐसा नहीं होगा, क्योंकि जहां बिजली जलेगी वहां तो बिल आएगा ही आएगा। बहरहाल मामला जो भी हो इस चुनावी बेला में राजनीतिक गलियारा तो गरमाने का काम हो ही गया।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स मामले में गूगल-मेटा को ईडी ने भेजा समन

-विज्ञापन स्लॉट दिए जाने का आरोप, सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने शनिवार को गूगल और मेटा को समन जारी किया है। यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के मामले में की जा रही जांच को लेकर की गई है। दोनों कंपनियों को सोमवार 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी का कहना है कि गूगल और मेटा ने उन ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को प्रसार-प्रचार के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान किया, जो मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों के मामलों में जांच के घेरे में हैं। इन कंपनियों पर यह आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स से जुड़ी वेबसाइट्स को विज्ञापन स्लॉट दिए, जिससे इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और ये पूरे देश में फैल गए। ईडी की अब तक की जांच के मुताबिक ये सट्टेबाजी ऐप्स खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म बताते हैं, लेकिन असल में इनमें अवैध जुआ चलाया जा रहा था। ये प्लेटफॉर्म करोड़ों की काली कमाई कर रहे थे, जिसे हवाला चैनलों के जरिए देश से बाहर भेजा जाता था। ईडी ने हाल ही में 29 सेलिब्रिटीज और इंफ्लुएंसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें नामी कलाकार जैसे प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा शामिल हैं। आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स का प्रचार करके भारी रकम कमाई है। महादेव ऐप का घोटाला 6,000 करोड़ से ज्यादा आंका जा रहा है। इसमें कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से पूछताछ हो चुकी है। ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को इस ऐप के प्रमोटर्स से 500 करोड़ रुपए की रकम मिली थी। एक अन्य मामला फेयरप्ले आईपीएल बेटिंग ऐप का है, जिसने आईपीएल मैचों की अवैध स्ट्रीमिंग की और ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया। इससे आधिकारिक ब्रॉडकास्टर को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस मामले में भी कई भारतीय सेलिब्रिटीज को आरोपी बनाया गया है जिसकी जांच चल रही है।

पटक-पटककर मारेंगे पर राज ठाकरे ने कहा-मुंबई आओ समुंद्र में डुबो-डुबोकर मारेंगे

-बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। मनसे चीफ राज ठाकरे और बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बीच तीखे हमलों का दौर जारी है। बीजेपी सांसद दुबे के पटक-पटकर मारेंगे के जवाब में राज ठाकरे ने डुबो-डुबो के मारेंगे वाली

बात कही। इस पर निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे की चुटकी लेते हुए कहा कि मैंने हिंदी सिखा दी? पिछले दिनों मराठी न बोलने को लेकर एक दुकानदार की पिटाई कर दी गई थी, जिस पर दुबे ने कहा था कि यूपी-बिहार आओ तो पटक-पटक के मारेंगे। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ था।

दुबे ने कहा था कि हिंदी भाषा बोलने वाले लोगों को मुंबई में मारने वाले अगर हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू, तमिल और तेलगू बोलने वालों को मारकर दिखाओ। उन्होंने कहा था कि अगर इतने ही बड़े बॉस हो तो आओ बिहार, यूपी और तमिलनाडु तुमको पटक-पटक के मारेंगे। इस पर राज ठाकरे ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए निशिकांत दुबे को मुंबई आने की चुनौती दी और कहा कि एक बीजेपी सांसद ने कहा कि मराठी लोगों को हम पटक पटक के मारेंगे...आप मुंबई आइए। मुंबई के समुंदर में हम डूबो-डुबो के मारेंगे।

हालांकि जब राज ठाकरे ये बयान दे रहे थे तो वो हिंदी में बात कर रहे थे। उनके इसी बयान पर दुबे ने पलटवार करते हुए कहा कि मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी? राज ठाकरे ने कहा कि अब अगर आप मराठी नहीं समझ सकते, भले ही वह आपके कान में सीधे बोली जाए, तो आपको नीचे एक थप्पड़ पड़ेगा। लोग बिना किसी कारण के हंगामा करते हैं। यह बात उन्होंने उस समय कही, जब कुछ दिन पहले उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर एक दुकान मालिक के साथ मारपीट की थी।

बिहार में एसआईआर के दौरान अब तक 90.12 प्रतिशत मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त हुए

36 लाख से ज़्यादा मतदाता अपने पते पर नहीं मिलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की 25 जुलाई की समय सीमा से पहले ही राज्य के 90.12 प्रतिशत मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त हो गए, और 36 लाख से ज़्यादा मतदाता अपने पते पर नहीं मिलें। चुनाव आयोग ने 24 जून को एसआईआर का आदेश देकर अगले ही दिन पूरे बिहार में इस शुरू कर दिया। आयोग ने आदेश में कहा कि पूरे देश में यह प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है और इसकी शुरुआत बिहार से की जा रही है, क्योंकि राज्य में हाल के महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

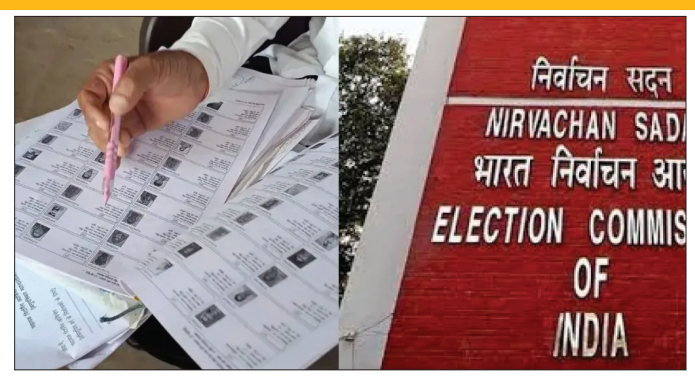

चुनाव आयोग के आदेश में बताया गया है कि बिहार के सभी 7.8 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं को 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मसौदा सूची में शामिल होने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म जमा करना होगा। चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक 7.11 करोड़ फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं और उसमें से 6.85 करोड़ का डिजिटलीकरण हो चुका है। चुनाव आयोग ने बताया कि 36.86 लाख मतदाता (कुल मतदाताओं का 4.67 प्रतिशत से थोड़ा ज़्यादा) संभवतः मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित या कई स्थानों पर पंजीकृत मिले हैं। आयोग ने बताया कि 6,978 मतदाता, यानी 0.01 प्रतिशत का पता नहीं चल पा रहे हैं।

आयोग ने कहा कि संभवतः मृत, स्थानांतरित और लापता मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और उनके बूथ स्तरीय एजेंटों के साथ साझा कर रहे हैं, ताकि 25 जुलाई से पहले इसतरह प्रत्येक मतदाता की सही स्थिति का पता सके। मतदाताओं और दलों के पास मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियाँ दर्ज करने के लिए 1 अगस्त से 1 सितंबर तक का समय होगा। 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के पास इन दावों और आपत्तियों का निपटारा करने के लिए 25 सितंबर तक का समय होगा।

पाक ने 24 अगस्त तक बढ़ाया एयरस्पेस पर बैन, नहीं होंगी भारतीय विमानों की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। अब पाकिस्तान ने इस बैन को 24 अगस्त तक बढ़ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी (पीएए) ने इसकी जानकारी दी है। नोटम के मुताबिक भारतीय एअरलाइंस के किसी भी नागरिक या सैन्य विमान को पाकिस्तान एयरस्पेस में एंट्री नहीं मिलेगी। यह आदेश बीती शाम 3:50 बजे से लागू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएए ने नोटिस में जानकारी देते हुए कहा कि यह बैन 24 अगस्त 2025 की सुबह 5:19 बजे तक लागू रहेगा। बता दें 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी।

आगरा में अवैध धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय संबंध मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह शहर में इस तरह के दूसरे रैकेट का पर्दाफाश है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। अवैध धर्मांतरण में शामिल कुल 10 लोगों को आगरा से गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियाँ छह राज्यों में समन्वित छापेमारी के बाद की गईं। डीजीपी के अनुसार, जाँच में पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों के साथ-साथ एक पाकिस्तानी आतंकवादी से भी संबंध होने का पता चला है। यह अभियान विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की मदद से चलाया गया।

आगे की जाँच से पता चला है कि आरोपियों के अंतरराष्ट्रीय संबंध थे, जिनमें कनाडा, दुबई और लंदन से जुड़े तार शामिल थे। जाँच के दौरान अधिकारियों को कट्टरपंथ और 'लव जिहाद' की घटनाओं से जुड़े सबूत मिले हैं। पश्चिम बंगाल, गोवा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप कई गिरफ्तारियाँ हुईं। पकड़े गए लोगों को गोवा, कोलकाता, आगरा, मुज़फ़्फ़रनगर, देहरादून, जयपुर और दिल्ली जैसे स्थानों से पकड़ा गया। इससे पहले, यूपी एटीएस ने छांगुर बाबा गिरोह से कथित संबंध के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उस पर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के ज़रिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के ज़रिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोपी है।

देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि अब्दुल रहमान नाम के आरोपी को गुरुवार को सहसपुर इलाके से हिरासत में लिया गया और आगरा ले जाया गया, जहाँ विस्तृत जाँच के बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। कथित तौर पर उसने 2014 और 2015 के बीच हिंदू धर्म से इस्लाम धर्म अपना लिया था। यूपी एटीएस ने स्थानीय पुलिस के साथ जानकारी साझा की, जिसके आधार पर रानीपोखरी में एक महिला का पता चला, जो कथित तौर पर रहमान नाम के एक आरोपी के संपर्क में थी। उसके पिता राजकुमार बजाज ने आरोप लगाया कि उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जा रहा था। उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के तहत पाँच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से दो दिल्ली, दो उत्तर प्रदेश और एक गोवा से हैं। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें भेजी गई हैं।

किशोरी को जिंदा जलाए जाने के मामले में बोले नवीन पटनायक- राज्य में अपराधी बेखौफ

-टीएमसी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना उस समय सामने आई जबकि एक 15 साल की किशोरी को तीन बदमाशों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। किशोरी को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना को लेकर ओडिशा के पूर्व सीएम पटनायक ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी बेखौफ इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अपने एक बयान में कहा कि किशोरी को जिंदा जलाने की घटना से मुझे बेहद पीड़ा हुई है। दिनदहाड़े एक बच्ची को जलाने की कोशिश की गई, यह वाकई बेहद डरावना है। उन्होंने एक और घटना को याद करते हुए कहा, कि एक हफ्ते पहले ही एफएम कॉलेज की छात्रा ने न्याय नहीं मिलने के कारण खुद को आग के हवाले कर दिया था। इससे एक माह पहले ही गोपालपुर में भी एक भयानक घटना घटित हुई थी। इन तमाम घटनाओं को लेकर पूर्व सीएम पटनायक ने सवाल करते हुए कहा, कि अब सरकार जागेगी क्या? अपराधियों को क्या जल्द पकड़ा जाएगा? और आगे क्या ऐसी घटनाएं नहीं हों, इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे? उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधी बेखौफ हो गए हैं, ओडिशा की बेटियां इन सवालों का जवाब चाहती हैं।

यहां बताते चलें कि यह दर्दनाक घटना पुरी जिले के बायाबर गांव में उस समय हुई जबकि पीड़ित लड़की अपने दोस्त के घर जा रही थी। तीन बदमाश हमलावरों ने उसे रास्ते में रोक लिया और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। उक्त घटना स्थल बालंगा थाने से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर बताया जाता है। घटना को अंजाम देकर तीनों आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। फिलहाल छात्रा को आग क्यों लगाई गई इसकी कोई वजह सामने नहीं आ सकी है। वहीं, किशोरी के परिजन किसी निजी दुश्मनी या

प्रेम प्रसंग से साफ इनकार कर रहे हैं।

गौरतलब है कि इस घटना से पहले पहले, 12 जुलाई को ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में एक छात्रा ने न्याय नहीं मिलने से आहत होकर खुद पर केरोसिन छिड़क कर आग लगा ली थी। प्रिंसिपल ऑफिस के बाहर हुई इस घटना में बुरी तरह झुलसी छात्रा की 14 जुलाई को इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

टीएमसी ने सरकार को घेरा

तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले को लेकर राज्य और केंद्र दोनों ही सरकारों को निशाने पर लिया है। टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, बेटी बचाओ का नारा कहां चला गया? पीएम मोदी, यह आपके हाथों पर खून है।

निमिषा प्रिया की फांसी पर असमंजस के बीच जयशंकर ने किया 'ऑपरेशन राहत'

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों देश के कूटनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में सुनाई गई फांसी की सजा के मामले पर हो रही है। 16 जुलाई को उन्हें फांसी होनी थी। लेकिन उससे ठीक पहले युद्धस्तर पर जारी विदेश मंत्रालय और राज्य के ही मुस्लिम धर्मगुरु कंथापुरम मुसलियार के प्रयासों के चलते फिलहाल सजा टल गई है। मंत्रालय मामले में खाड़ी में भारत के कुछ मित्र देशों की मदद भी ले रहा है। इन सबके बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने यमन का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा समय में सभी नागरिकों का ध्यान भारत सरकार की कूटनीति पर है। क्योंकि मुसीबत के वक्त हमने अभियान चलाकर अपने नागरिकों की रक्षा की है। कूटनीति के जरिए ही हमने यमन में गृहयुद्ध के बीच फंसे हुए भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन राहत चलाया था। अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने निमिषा प्रिया का प्रत्यक्ष रूप से नाम लिए बगैर यह बात कही। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन में फंसे हुए भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए चलाए गए ऑपरेशन गंगा के साथ-साथ अफगानिस्तान, नेपाल से भी मुसीबत के दौरान अपने देश के नागरिकों को वापस लाने के सरकारी प्रयासों, अभियानों के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी विदेश मंत्री ने दिल्ली में एयरफोर्स स्कूल के 70वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए दी। जिसके वह भी पूर्व छात्र रहे हैं।

इन चार संदेशों को याद रखें छात्र

जयशंकर ने कहा कि स्कूल जाने वाले छात्र चार संदेशों को याद रखें। जिनमें सबसे पहले स्कूल को गंभीरता से लें-शिक्षकों की बात सुनें। दूसरा, दुनिया में रूचि लें क्योंकि हम वैश्वीकरण के युग में रह रहे हैं। जहां दुनिया हमारे घर तक पहुंच चुकी है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसे आकार दुनिया ही देती है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर भारत बतौर देश और समाज के रूप में समृद्ध होना चाहता है। अगर हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आकांक्षा रखते हैं, तो हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम वैश्विक दुनिया की सच्चाई को पहचाने और उसे स्वीकार करें कि कैसे वह हमें प्रभावित करती है? कोविड-19 इसका बड़ा उदाहरण है। ये महामारी एक देश से शुरू होकर समूचे विश्व में फैल गई थी। दुनिया में जो चीजें हो रही हैं उनमें रूचि लेने की उन्होंने छात्रों से अपील की और कहा कि आज के छात्र कुछ 'रेडिकली अलग' हैं। जो एआई, तकनीक, ड्रोन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से प्रभावित हैं।

उन्होंने स्कूली शिक्षा के मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्कूल में जो गुण हम सीखते हैं। वो बाकी जीवनभर हमें आगे बढ़ने में मदद करते हैं। जैसे टीम वर्क, लोगों की खूबियों को पहचानना और सामूहिक फायदे के लिए एकजुट होकर काम को आगे बढ़ाना मुख्य है। यही काम हम कूटनीति में भी करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि मैंने अपना अधिकांश जीवन

कूटनीति की दुनिया में बिताया है। जिसमें हम हर समय बातचीत करते रहते हैं। क्योंकि आपको अपने प्रतिद्वंद्वियों से अच्छी तैयारी में रहना होता है। एक प्रकार से ये उनसे आगे निकलने जैसा है। छात्र भी ऐसा कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें शिक्षकों द्वारा बताए गए अच्छे गुणों को आत्मसात करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत-इंडोनेशिया सांख्यिकी प्रणाली सहयोग पर सहमत

जकार्ता, एजेंसी। भारत-इंडोनेशिया सांख्यिकी प्रणाली से जुड़े सहयोग पर सहमत हो गए हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बताया कि इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल में शामिल देश के उप सांख्यिकी मंत्री डॉ. सन्नी हैरी बी. हरमादी और भारत और भूटान में इंडोनेशिया की राजदूत इना एच. कृष्णमूर्ति समेत इंडोनेशिया सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत दौरे पर अहम बैठक की। इंडोनेशिया की सरकार ने उन क्षेत्रों में सहयोग में अपनी रुचि व्यक्त की, जिनमें व्यापार सांख्यिकी का सामंजस्य, कृषि आंकड़ों का डिजिटलीकरण और सांख्यिकी विकास के लिए आईटी और सैंपलिंग की उन्नत विधियों का संवर्धन किया जाता है। भारत ने इस बैठक के दौरान द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने, प्रौद्योगिकी संबंधी नवाचारों का लाभ उठाने तथा सांख्यिकीय प्रणालियों और प्रथाओं को उत्कृष्ट बनाने के महत्व पर जोर दिया।

इंग्लैंड में स्कूली बच्चों से भरी बस पलटी, एक बच्चे की मौत, कई घायल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के दक्षिण-पश्चिम में गुरुवार को मिडिल स्कूल के बच्चों से भरी एक बस पलट गई और एक खाई में उल्टी होकर काफी दूर तक फिसलती चली गई। इस हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दक्षिण-पश्चिम एम्बुलेंस सेवा के डिप्टी डायरेक्टर वेन डार्च के मुताबिक, दुर्घटना के बाद मौके पर तीन हेलीकॉप्टर और 20 एम्बुलेंस भेजी गईं। 21 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया और बाकी का इलाज वहीं मौके पर किया गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा, एक बच्चे की मौत को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवार और घायलों के साथ हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में तुरंत मदद पहुंचाने वाले सभी आपातकालीन कर्मचारियों का धन्यवाद।

जेफरी एपस्टीन मामले में विशेष जांच की सिफारिश नहीं करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जेफरी एपस्टीन मामले में कोई विशेष जांच (स्पेशल काउंसल) नहीं करवाएंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने दी है। ट्रंप के इस फैसले से उनके कई समर्थक नाराज़ हैं, क्योंकि वे इस मामले में और दस्तावेज़ों के जारी होने की उम्मीद कर रहे थे। पिछले हफ्ते अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन जांच से जुड़े अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने से इनकार कर दिया था, जिससे लोगों में गुस्सा और बढ़ गया।

अब अमेरिका में हर सोलर और विंड प्रोजेक्ट को मिलनी होगी आंतरिक मंत्री डग बर्गम की मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अब फेडरल जमीन और समुद्री क्षेत्रों पर बनने वाले सभी सौर (सोलर) और पवन (विंड) ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने से पहले देश के आंतरिक मंत्री डग बर्गम की व्यक्तिगत मंजूरी लेनी होगी। गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार, मंत्री बर्गम अब इन प्रोजेक्ट्स की लीज़, निर्माण योजना, संचालन, वित्तीय सहायता और पर्यावरण से जुड़ी रिपोर्टों की गहराई से जांच कर सकेंगे। आंतरिक विभाग ने बयान में कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सब्सिडी पर निर्भर और भरोसे के लायक नहीं मानी जाने वाली सौर और पवन ऊर्जा को मिलने वाली विशेष छूट खत्म की जा सके। विभाग का कहना है कि इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा।

आइडाहो के जज ने ब्रायन कोहबर्गर हत्या मामले में गाग ऑर्डर हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। चार छात्रों की निर्मम हत्या के आरोपी ब्रायन कोहबर्गर के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। गुरुवार को जज स्टीवन हिपलर ने इस केस पर लगा गाग ऑर्डर (सूचना साझा करने पर रोक) हटा दिया है। कोहबर्गर ने कुछ हफ्ते पहले ही चार यूनिवर्सिटी ऑफ आइडाहो के छात्रों की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में गुनाह कबूल कर लिया था। यह वारदात 2022 में विश्वविद्यालय के पास एक किराए के घर में हुई थी। कोहबर्गर के गुनाह कबूल करने के बाद अब मुकदमा नहीं चलेगा। गुरुवार सुबह की सुनवाई में जज हिपलर ने कहा कि अब जब मुकदमा नहीं हो रहा है, तो निष्पक्ष जूरी बैठाने की जरूरत भी नहीं रही। ऐसे में गाग ऑर्डर जारी रखने का कोई कारण नहीं बचता। जज ने कहा कि अब जनता और प्रेस को इस केस से जुड़ी जानकारी पाने का संवैधानिक अधिकार है।

इस्राइल ने गाजा में यूएन एजेंसियों के प्रमुखों के वीजा नवीकरण से इनकार किया

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने गाजा में काम करने वाली कम से कम तीन संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के स्थानीय प्रमुखों के वीज़ा नवीकरण से इनकार कर दिया है। यूएन के मानवतावादी प्रमुख का कहना है कि यह कदम उन एजेंसियों के काम को रोकने की कोशिश है, जो फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टेफेन डुजारिक ने बताया कि मानवाधिकार एजेंसी मानवतावादी समन्वय कार्यालय और गाजा के फिलिस्तीनी लोगों का समर्थन करने वाली एजेंसी के स्थानीय प्रमुखों के वीज़ा पिछले कुछ महीनों में नवीकृत नहीं किए गए हैं।

हाथ पर चोट के निशान, पैरों में सूजन; सीवीआई बीमारी से पीड़ित पाए गए डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया तस्वीरों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर अटकलों के बीच खुद वाइट हाउस ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी (सीवीआई) नामक बीमारी का पता चला है। यह घोषणा तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप के पैरों में सूजन और उनके हाथ पर चोट के निशान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 79 वर्षीय ट्रंप ने हाल ही में अपने निचले पैरों में हल्की सूजन देखी थी, जिसके बाद उन्होंने वाइट हाउस मेडिकल यूनिट से जांच करवाई। लेविट ने कहा, मुझे पता है कि मीडिया में कई लोग राष्ट्रपति के हाथ पर चोट और पैरों में सूजन के बारे में अटकलें लगा रहे हैं। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, राष्ट्रपति चाहते थे कि मैं उनके डॉक्टर का एक नोट शेयर करूं... इनमें सभी रिजल्ट्स सामान्य सीमा के भीतर पाए गए।

क्या है क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी : वाइट हाउस ने राष्ट्रपति ट्रंप के डॉक्टर सीन बारबाबेला की रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, ट्रंप की व्यापक जांच की गई, जिसमें डायग्नोस्टिक वैस्कुलर स्टडीज और दोनों पैरों की वेनस डॉपलर अल्ट्रासाउंड शामिल थे। इन जांचों से पता चला कि राष्ट्रपति को क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी है, जो 70 वर्ष से

अधिक उम्र के लोगों में एक सामान्य और गैर-खतरनाक स्थिति है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, यह स्थिति तब होती है जब पैरों की नसें ठीक तरह से रक्त को हृदय तक वापस पहुंचाने में असमर्थ होती हैं, जिसके कारण रक्त पैरों में एकत्रित हो जाता है। इससे सूजन, दर्द, त्वचा का रंग बदलना और कभी-कभी अल्सर जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लेविट ने बताया कि ट्रंप की जांच में गंभीर बीमारियों जैसे डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) या धमनी रोग का कोई सबूत नहीं मिला। इसके अलावा, राष्ट्रपति की अन्य जांचों जैसे ष्टक्चष्ट, ष्टरूक्क और कोएगुलेशन प्रोफाइल के परिणाम सामान्य पाए गए। एक इकोकार्डियोग्राम से यह भी पुष्टि हुई कि ट्रंप का हार्ट सामान्य रूप से काम कर रहा है और कोई हार्ट फेलियर या प्रणालीगत बीमारी के संकेत नहीं हैं।

हाथ पर चोट के निशान को लेकर अटकलें : हाल के हफ्तों में, ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान और उनके पैरों में सूजन की तस्वीरें देखने को मिलीं। विशेष रूप से 13 जुलाई को न्यू जर्सी में फीफा क्लब विश्व कप फाइनल के दौरान ली गई तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। इसने उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलों को हवा दी थी। वाइट हाउस ने इन चोटों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन के उपयोग के कारण मामूली त्वचा की जलन के परिणामस्वरूप हुआ है। ट्रंप हृदय संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए नियमित रूप से एस्पिरिन लेते हैं, जो ब्लड को पतला करता है और चोट के निशान को बढ़ा सकता है।

लेविट ने स्पष्ट किया कि ये निशान क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी से संबंधित नहीं हैं, क्योंकि यह स्थिति केवल शरीर के निचले हिस्सों को प्रभावित करती है। विशेषज्ञों ने भी इस बात पर सहमति जताई कि उम्र और एस्पिरिन का उपयोग चोट के निशानों का कारण हो सकता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति की हालिया तस्वीरों में उनके हाथ के पिछले हिस्से पर हल्की चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। यह बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन के इस्तेमाल से सॉफ्ट टिश्यूज में हुई मामूली जलन से मेल खाता है।

बीमारी का इलाज और मैनेजमेंट : क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी एक प्रगतिशील स्थिति है जिसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इसे मैनेज किया जा सकता है। क्लीवलैंड क्लिनिक और जॉन्स हॉपकिन्स के अनुसार, इलाज के विकल्पों में मेडिकल-ग्रेड कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनना, पैरों को ऊपर उठाना, नियमित व्यायाम (विशेष रूप से चलना), और वजन को कंट्रोल करना शामिल है। गंभीर मामलों में, स्क्लेरोथेरेपी जैसे छोटे प्रक्रियात्मक उपचार या शल्य चिकित्सा जैसे लिगेशन या वेन स्ट्रिपिंग की आवश्यकता हो सकती है।

ट्रंप की लोकप्रियता में आई गिरावट, नए सर्वे में लोग बोले- उनकी नीतियों ने दुखी किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब छह माह पहले ही जोरदार बहुमत पाकर सत्ता

हासिल की थी, लेकिन ट्रंप अपनी उस लोकप्रियता को बरकरार नहीं रख पाए हैं और ताजा सर्वे में उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। खासकर अप्रवासन नीति, सरकारी खर्च में कटौती और मेडिकेड जैसे मुद्दों पर लोगों में भारी नाराजगी है। यह सर्वे एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर द्वारा किया गया है। इस साल की शुरुआत में अप्रवासन के मुद्दे पर ट्रंप की जो रेटिंग थी, अब उसमें भी गिरावट आई है, जबकि अप्रवासन ऐसा मुद्दा है, जो ट्रंप की ताकत रहा है। ट्रंप की नीतियों से नहीं हुआ फायदा सर्वे में लोगों ने बताया कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उनके रोजमर्रा के जीवन पर कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ है, बल्कि कई लोगों का मानना है कि उनकी नीतियों से उनकी परेशानी बढ़ी है या उन्हें दुख पहुंचा है। सिर्फ एक तिहाई लोग ही मानते हैं कि ट्रंप के आने से उन्हें राहत मिली है। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक और आधे स्वतंत्र लोगों ने बताया कि ट्रंप की नीतियों का उनके जीवन पर बुरा असर पड़ा है। कई रिपब्लिकन समर्थक भी ऐसा ही मानते हैं।

वादों को पूरा नहीं कर पाए ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार के दौरान कामकाजी वर्ग की रोजमर्रा जरूरतों की लागत कम करने, सामाजिक कल्याण योजनाओं जैसे मेडिकेड आदि को जारी रखने, विदेशी युद्धों को समाप्त कराने और सरकार के खर्च में कटौती करने जैसे वादे किए थे। हालांकि हो इसका उल्टा रहा है। ट्रंप सरकार की टैरिफ नीति के चलते अमेरिका में महंगाई बढ़ रही है। वहीं ट्रंप सरकार अपने बिग ब्यूटीफुल बिल के जरिए सामाजिक कल्याण योजनाओं में कटौती कर रही है और मेडिकेड सुविधा को भी कम कर रही है। इसके चलते अमेरिका में 1.1 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से बाहर हो जाएंगे और इससे संघीय सरकार पर खरबों डॉलर का कर्ज भी बढ़ेगा।

अमेरिका में तूफान चेंटल का कहर, नॉर्थ कैरोलिना में आपातकाल घोषित; अब तक छह लोगों की मौत

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य में उत्तरी अटलांटिक उष्णकटिबंधीय तूफान चेंटल के चलते भारी तबाही हुई है। इस तूफान में अब तक कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है और कई इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य के गवर्नर जोश स्टाइन ने गुरुवार को आपातकाल की घोषणा की है। बता दें कि इस भीषण चक्रवात के चलते कैरोलिना कुछ इलाकों में 9 से 12 इंच तक बारिश हुई। एनो नदी समेत कई नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई तक पहुंच गया। इतना ही नहीं डरहम, रैले और चैपल हिल जैसे शहरों में लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं मिल पा रहा है। कई घर और दुकानें तबाह हो गईं और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। तूफान इतना तेज था कि एक 58 वर्षीय महिला का वाहन बाढ़ में फंस गया, मदद के लिए 911 पर कॉल किया लेकिन कॉल कट गई। बाद में वह मृत पाई गई। दो कैनोर्स (नाविक) की तलाश के बाद उनकी लाशें चाथम काउंटी में मिलीं। वहीं एक अन्य महिला की कार पानी में बह गई और उनकी मौत हो गई। इसके साथ ही 71 वर्षीय व्यक्ति और 23 वर्षीय युवती की भी बाढ़ में मौत हो गई।

गाजा में चर्च पर इजरायल ने की बमबारी, तीन की मौत, बेंजामिन नेतन्याहू बोले- एक गोला भटक गया

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में एकमात्र कैथोलिक चर्च होली फैमिली पर इजरायली सेना ने गोले बरसाए हैं। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं, जिनमें चर्च के पादरी गैब्रिएल रोमनल्ली भी शामिल हैं। चर्च परिसर में सैकड़ों फिलिस्तीनी शरण लिए हुए थे जिनमें बच्चे और दिव्यांग लोग भी शामिल थे। इजरायल ने इस हमले को दुर्घटना बताते हुए खेद व्यक्त किया और कहा कि वह इसकी जांच कर रहा है। हमले में चर्च की इमारत को भी काफी नुकसान पहुंचा जहां कई बुजुर्ग और मासूम लोग मौजूद थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को लेकर खेद जताया है। नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा, इजरायल को इस बात का गहरा दुख है कि एक भटका हुआ गोला गाजा के होली फैमिली चर्च से टकराया। हर एक निर्दोष व्यक्ति की जान का नुकसान एक त्रासदी है। पोप लियो 14वें ने इस हमले की कड़ी निंदा की और तत्काल युद्धविराम की अपील की है। उन्होंने पीड़ितों के लिए शोक संदेश में कहा कि वह शांति और सुलह की आशा करते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले पर नाराजगी जताई। इजरायल का कहना है कि यह भूलवश हुआ हमला था और वह नागरिकों व धार्मिक स्थलों को निशाना नहीं बनाता। हालांकि, गाजा में स्कूलों, अस्पतालों और शरणस्थलियों पर बार-बार हो रहे हमलों के कारण

फिलिस्तीनी नागरिकों का कहना है कि कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। इजराइली सेना- गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा नेतन्याहू ने कहा, हर निर्दोष की जान का जाना भयानक नुकसान है। इजराइली सेना ढ्ढष्ठस्न ने भी जांच के बाद कहा कि एक गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा। सेना का दावा है कि उसने नागरिकों और धार्मिक स्थलों को नुकसान से बचाने की पूरी कोशिश की। इजराइली सेना ने कहा कि एक गोले का टुकड़ा गाजा सिटी में सैन्य कार्रवाई के दौरान गलती से चर्च पर गिर गया। इसकी जांच की जा रही है। ट्रम्प- नेतन्याहू के बीच हमले को लेकर बातचीत अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प और नेतन्याहू के बीच इस हमले को लेकर तनावपूर्ण बातचीत हुई। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को बताया कि कैथोलिक चर्च पर हमला करना इजराइलियों की एक भूल थी। इटली की प्रधानमंत्री बोली- ये हमले स्वीकार नहीं किए जाएंगे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गाजा में इजराइल के हालिया हमलों की कड़ी निंदा की है। मेलोनी ने एक्स पर लिखा, इजराइल के गाजा में हमलों ने होली फैमिली चर्च को भी निशाना बनाया। महीनों से नागरिकों पर किए जा रहे।

32 साल का आरोपी फ्रांस से प्रत्यर्पित, 12 साल बाद कबूला छात्रा का उत्पीड़न; अक्तूबर में सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया राज्य में पढ़ाई के दौरान एक छात्रा से यौन शोषण के आरोपी इयान क्लियरी (32) ने आखिरकार अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी को कुछ महीने पहले फ्रांस से अमेरिका लाया गया था, जहां वह 2013 की घटना के बाद भाग गया था। मामले में पीड़िता शैनन कीलर ने बताया कि 2013 में जब वह गेटीसबर्ग कॉलेज में पहली वर्ष की छात्रा थीं तब इयान क्लियरी उसके हॉस्टल के कमरे में घुस आया और उसका यौन शोषण किया। क्लियरी कॉलेज में तीसरे वर्ष का छात्र था।

फेसबुक से मिले मैसेज के चलते केस ने पकड़ी रफ्तार : पीड़िता ने उसी समय पुलिस को सूचना दी, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके बाद 2021 में अचानक उसे आरोपी की फेसबुक आईडी से एक मैसेज मिला कि तो मैंने तुम्हारे साथ दुष्कर्म किया। यह देख वह फिर से न्याय के लिए सक्रिय हुई। शैनन कीलर ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही थीं, लेकिन प्रशासन और कानून की

सुस्ती के कारण आरोपी पर कार्रवाई नहीं हो सकी। एक मीडिया एजेंसी की 2021 में छपी एक रिपोर्ट के बाद इस मामले ने फिर से जोर पकड़ा।

कोर्ट के सामने आरोपी का सवाल-जवाब : गुरुवार को क्लियरी पहली बार कोर्ट में पीड़िता के सामने पेश हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आरोपी को सामने पाकर शैनन ने अपने पति का हाथ पकड़कर पूरे वक्त कोर्ट में खुद को संभाले रखा। क्लियरी हथकड़ी में था और जज के सवालों के सीधे और छोटे जवाब देता रहा। बता दें कि क्लियरी को अप्रैल 2024 में फ्रांस के मेट्ज शहर में कुछ छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। वहीं से उसे अमेरिका लाया गया। उसके वकील ने कोर्ट में बताया कि क्लियरी को मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं हैं और 2019 में जब उसने वह फेसबुक मैसेज भेजा था, तब वह अस्पताल में भर्ती था। कोर्ट ने 20 अक्तूबर को तय की सजा की तारीख मामले में कोर्ट ने सजा की तारीख 20 अक्तूबर तय की है। अभियोजन और बचाव पक्ष ने 4 से 8 साल की जेल की सिफारिश की है, लेकिन अंतिम फैसला जज केविन हैस लेंगे। यह मामला दूसरे दर्जे के यौन शोषण का है, जिसकी अधिकतम सजा 10 साल हो सकती है। गौरतलब है कि इयान क्लियरी कैलिफोर्निया के साराटोगा में पला-बढ़ा। गेटीसबर्ग कॉलेज छोड़ने के बाद उसने वहीं से पढ़ाई पूरी की, टेस्ला कंपनी में काम किया और फिर विदेश चला गया। वहां वह मध्ययुगीन काल की कहानियां लिखता था।

तीन मुस्लिम देशों की मीटिंग में बड़ा फैसला, पाकिस्तान से सेंट्रल एशिया तक चलेगी रेल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तीन देशों की एक मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में फैसला लिया गया है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित खारलाची से उज्बेकिस्तान के नैबाबाद तक ट्रेन का रूट विकसित किया जाए। काबुल में हुई इस मीटिंग अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान के नेता और उज्बेकिस्तान एवं पाकिस्तान के नेता मौजूद रहे। इस मीटिंग में फैसला हुआ कि इस रेलवे परियोजना के लिए फिजिबिलिटी स्टडी कराई जाए। तीनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बन गई है। इसे यूएपी रेलवे प्रोजेक्ट कहा जा रहा है, जिसका अर्थ उज्बेकिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान रेलवे परियोजना से है। यह इन तीन मुस्लिम देशों के बीच एक महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। उज्बेकिस्तान ऐसा देश है, जो सिल्क रूट पर स्थित है। यह सिल्क रूट यानी रेशम मार्ग चीन को मध्य एशिया के देशों से जोड़ता था और फिर यही रूट आगे बढ़ते हुए यूरोप तक जाता है। ऐसे में यदि यह परियोजना सिरे चढ़ती है तो पाकिस्तान के लिए बड़ी सफलता होगी। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने एक्स पर भी इस समझौते की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान के लोगों को बधाई देता हूं। तीनों

देशों के बीच रेल नेटवर्क के लिए फिजिबिलिटी स्टडी पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट क्षेत्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इसके अलावा आर्थिक तौर पर भी फायदेमंद होगा। डार ने कहा कि पाकिस्तान के बंदरगाहों से मध्य एशिया तक सीधी पहुंच इस कॉरिडोर से होगी। इस समझौते पर साइन से पहले तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की भी मीटिंग हुई। बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते कई सालों से तनाव की स्थिति बनी हुई है। फिर भी इस अहम प्रोजेक्ट पर सहमति बनना मायने रखता है। इस परियोजना पर तीनों देशों ने 2023 में ही सहमति जताई थी। यह रेल लिंक उज्बेकिस्तान के तरमिज से होकर गुजरेगा। इसके अलावा अफगानिस्तान में मजार-ए-शरीफ और लोगार से जाएगा। पाकिस्तान में इस रेल लिंक की एंट्री खारलाची बॉर्डर से होगी।

5 साल के बेटे पर भूत का साया, रेगिस्तान में बलि देने जा रहे थे मां-बाप? अब चलेगा केस

बोर्डो , एजेंसी। फ्रांस के बोर्डो शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अंधविश्वास के चक्कर में मां-बाप अपने 5 साल के मासूम बेटे को रेगिस्तान में बलि देने जा रहे थे। पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। इस दंपति पर आरोप है कि वे अपने पांच साल के बेटे की मोरक्को के सहारा रेगिस्तान में कथित तौर पर बलि देने की योजना बना रहे थे। उन्हें अपने बेटे पर भूतिया साया होने का डर था। इस मामले की सुनवाई गुरुवार, 17 जुलाई को बोर्डो की एक अदालत में शुरू हुई। दंपति पर आपराधिक साजिश और माता-पिता के कर्तव्यों में विफलता के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, दोनों ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया है। मामले की शुरुआतः रिश्तेदार की शिकायत जांच के अनुसार, एक रिश्तेदार ने फ्रांसीसी वकीलों को सूचित किया था कि बच्चे के पिता फ्लोरियन एल. ने अपने बेटे को भूतग्रस्त मानते हुए रेगिस्तान में उसकी बलि देने की बात कही थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिसंबर 2023 में दक्षिणी स्पेन के अल्जेसिरास में दंपति को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे मोरक्को के टैंजियर जाने के लिए फेरी पर सवार होने वाले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दंपति ने अपने घर को किराए पर दे दिया था और एक कार खरीदी थी। इससे यह संकेत मिलता है कि वे लंबी अवधि के लिए मोरक्को की यात्रा की योजना बना रहे थे। सरकारी वकीलों का मानना है कि ये कदम कथित बलि की तैयारी का हिस्सा थे। दंपति का खंडनः हमारा कोई गलत इरादा नहीं था दंपति पेशे से संगीत टीचर हैं और सिस्टम विरोधी और

रहस्यमयी विश्वासों को मानने वाले बताए जाते हैं। उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। फ्लोरियन एल. के वकील, ऑड्रे बूसिलोन ने अदालत में कहा, उनका अपने बेटे को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। मां के वकील ने भी दावा किया कि दंपति केवल मोरक्को की यात्रा करना चाहता था, क्योंकि वे दो साल पहले वहां गए थे और उन्हें यह स्थान बहुत पसंद आया था। बच्चे की स्थिति और कोर्ट की चिंता बच्चे के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील, मेर्लिन लाबादी ने अदालत को बताया कि दंपति के विश्वासों ने बच्चे को खतरे में डाल दिया था। जब बच्चे को पुलिस ने हिरासत में लिया, तब उसने ठंड, डर और हमारे अंदर के सांप को निकालने की बात कही थी, जो उसके माता-पिता के विश्वासों का प्रभाव दर्शाता है। वर्तमान में बच्चा अपनी ननिहाल में अपने नाना-नानी की देखरेख में है। शुरू हुआ मुकदमा यह मुकदमा एक दिन तक चला, और फैसला बाद में घोषित किया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने दंपति पर आपराधिक साजिश और माता-पिता के कर्तव्यों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। जांच में यह भी सामने आया कि दंपति के कार्यों, जैसे घर किराए पर देना और वाहन खरीदना, को अभियोजकों ने बलि की योजना से जोड़ा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक-दो नहीं,10 हनीट्रैप गैंग सक्रिय

महिलाएं डेटिंग ऐप्स से अमीर युवकों को फंसाकर बनाती हैं शारीरिक संबंध; फिर 20% कमीशन के लिए होती है ब्लैकमेलिंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सामने आए एक सनसनीखेज हनीट्रैप केस के बाद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि शहर में सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कुल 10 हनीट्रैप गैंग सक्रिय हैं। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) को इन गैंग्स के बारे में ठोस जानकारी मिली है और जांच तेजी से जारी है। ये गैंग खास मॉडस ऑपरेंडी के जरिए अमीर युवकों को अपने जाल में फंसाने के लिए खूबसूरत महिलाओं का इस्तेमाल करते हैं। इस रैकेट में शामिल महिलाओं को ब्लैकमेलिंग की वसूली का 20% कमीशन दिया जाता है।

ये गैंग बहुत ही संगठित और चतुराई से काम करते हैं। किसी को भी फंसाने से पहले उसका पूरा बैकग्राउंड वर्कआउट करते हैं — जैसे उसकी संपत्ति, आमदनी, लाइफस्टाइल आदि। टारगेट हमेशा आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति ही होता है, जिससे उन्हें बड़ी रकम ऐंठी जा सके।

महिला कमरे में बुलाकर बनाती है शारीरिक संबंध

ये गैंग Tinder, Bumble, Lovely, Facebook जैसे डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया का पूरा इस्तेमाल करते हैं। पहले दोस्ती करते हैं, फिर मैसेजिंग और वीडियो कॉल के जरिए भावनात्मक जुड़ाव बनाते हैं। धीरे-धीरे भरोसा जमाने के बाद युवक को किसी होटल या रूम में बुलाया जाता है, जहां महिला शारीरिक संबंध बनाती है।

ब्लैकमेलिंग के लिए नकली पुलिस या पत्रकार की एंट्री जैसे ही संबंध बन जाते हैं, गैंग के पुरुष सदस्य नकली पुलिसकर्मी या पत्रकार बनकर कमरे में घुसते हैं। फिर युवक को कानूनी कार्रवाई और बदनामी की धमकी देकर भारी रकम की मांग की जाती है। डर और शर्म के कारण पीड़ित अधिकतर पुलिस में शिकायत नहीं करता और रकम चुकाने को मजबूर हो जाता है।

अमरौली में सामने आया केस: मशरू बंधु और महिला की गिरफ्तारी

हाल ही में अमरौली में रहने वाले एक हीरा कारीगर से 20 लाख रुपये की ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया था, जिसमें मशरू बंधु और एक महिला को गिरफ्तार किया गया।

उस कारीगर की गलती से एक बार पांच साल पुरानी सहकर्मी अस्मिता को कॉल लग गया था, जिसके बाद दोनों में बातचीत शुरू हुई। अस्मिता ने प्यार भरे वीडियो कॉल्स कर उसे अपने जाल में फंसा लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के पास मिले फर्जी पुलिस आईकार्ड

DCP राजदीपसिंह नाकुम ने बताया कि आरोपियों से भावनगर पुलिस का नकली एडिटेड आईकार्ड बरामद हुआ है, जिसमें उनका फोटो और कॉन्स्टेबल का नाम दर्ज था। इससे पता चलता है कि गैंग कितनी योजना के साथ काम करता है।

सूरत पालिका समिति के स्कूलों में गुजराती माध्यम में 563 शिक्षकों की कमी के सामने मात्र 168 विद्या सहायकों की नियुक्ति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति का बजट एक हजार करोड़ रुपये से अधिक है, फिर भी समिति स्थायी प्रशासक और 1500 शिक्षकों की भारी कमी के साथ कामकाज में लड़खड़ा रही है। शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए सह-शिक्षक और ज्ञान सहायकों का सहारा लिया जा रहा है, फिर भी यह कमी पूरी नहीं हो रही। फिलहाल गुजराती माध्यम में विद्या सहायकों की भर्ती की गई है, लेकिन गुजराती माध्यम में 563 शिक्षकों की कमी के सामने केवल 165 की ही नियुक्ति की गई है। इसी कारण अभी भी कई स्कूलों में एक शिक्षक को एक से अधिक कक्षा पढ़ानी पड़ रही है।

सूरत महानगरपालिका द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में दो लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं, और इन्हें पढ़ाने के लिए 5600 शिक्षकों की आवश्यकता होती है। लेकिन समिति में फिलहाल लगभग 4100 स्थायी शिक्षक ही कार्यरत हैं, जिनमें से कई निकट भविष्य में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

कुछ दिन पहले गुजराती के अलावा अन्य भाषाई माध्यमों में विद्या सहायक भर्ती मेळा आयोजित किया गया था। जिसमें उर्दू माध्यम में सबसे अधिक 153 विद्या सहायकों की भर्ती की गई थी, जबकि हिंदी माध्यम में 48, मराठी में 45, अंग्रेजी में 28 और उड़िया माध्यम में 13 विद्या सहायकों की नियुक्ति हुई। कुल मिलाकर 287 विद्या सहायकों की भर्ती की गई।

सूरत और गुजरात के लिए गुजराती माध्यम बहुत महत्वपूर्ण है, और गुजराती माध्यम में 565 से अधिक शिक्षकों की कमी है। ऐसे में कल विद्या सहायक भर्ती मेला आयोजित किया गया, जिसमें केवल 165 शिक्षकों की भर्ती की गई है। इसके बावजूद अभी भी लगभग 400 शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जिसके कारण आज भी समिति के कई स्कूलों में एक ही शिक्षक को एक से अधिक कक्षाएं पढ़ानी पड़ रही हैं।

शिक्षण समिति में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका प्रशासनाधिकारी की होती है, लेकिन 10 हजार करोड़ रुपये के बजट वाली इस समिति में स्थायी प्रशासनाधिकारी ही नहीं है। लंबे समय से शिक्षा से जुड़ा प्रशासनाधिकारी और उप-प्रशासनाधिकारी नियुक्त करने की मांग उठ रही है, लेकिन शासन की विफलता के चलते अब तक यह भर्ती नहीं हो सकी है। इसका सीधा असर दो लाख छात्रों की शिक्षा पर पड़ रहा है और शिक्षकों पर कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

सूरत में खाड़ी पूर को रोकने के लिए प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में एक और अहम बैठक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में इस साल आई खाड़ी पूर (बाढ़) के बाद नगर निगम से लेकर सरकार तक का तंत्र अचानक सक्रिय हो गया है। आने वाले दिनों में खाड़ी पूर की स्थिति न बने, इसके लिए लगातार बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में कल सूरत के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में खाड़ी पूर को रोकने के लिए एक और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि पहले चरण में खाड़ी किनारे बने अतिक्रमण और अवैध झींगा तालाबों को हटाया जाएगा। इसके बाद दीर्घकालिक योजना के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

खाड़ी पूर को रोकने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई गई है और इस कमेटी की अध्यक्ष के रूप में नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल की नियुक्ति के बाद खाड़ी के अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ खाड़ी किनारे की वाइडनिंग (चौड़ीकरण) का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इस दौरान कल सूरत के प्रभारी मंत्री कनु देसाई की अध्यक्षता में एक और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें मंत्री कनु देसाई ने खाड़ी पूर की स्थायी समस्या के समाधान के लिए दो चरणों की रणनीति पर विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पहले चरण में खाड़ी किनारे मौजूद अवैध अतिक्रमण और झींगा तालाब हटाए जाएंगे। इसके साथ ही दूसरे चरण में सिंचाई विभाग सहित सभी सरकारी कार्यालयों के समन्वय से खाड़ी पूर की स्थायी समस्या के समाधान हेतु मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में यदि अधिक वर्षा होती है, तब भी खाड़ी पूर की स्थिति न बने इसके लिए विशेष योजना बनाई जाएगी।

पूर्व पत्नी के अपहरण के मामले में पूर्व पति समेत पांच लोगों पर मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोद्रा इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व पत्नी का अपहरण करने की नीयत से हमला किया। इस मामले में महिला के पूर्व पति सहित पांच लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। कापोद्रा पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल हुई ऑटो रिक्शा के चालक को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आरोपी पूर्व पति बीकेश डामोर ने महिला के वर्तमान पति को कहा कि उसने महिला से शादी करने के लिए उसके पिता को 1.50 लाख रुपये दिए हैं, इसलिए वह महिला को ले जा रहा है।

राजस्थान निवासी और वर्तमान में सूरत के कापोद्रा सिमाडा गांव में रहने वाले सुनिल रूपचंद मुनिया ने कापोद्रा थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। सुनिल ने बताया कि उसने राजस्थान की तलाकशुदा महिला से शादी की थी और उसे सूरत लेकर आया था।

छात्र प्रतिनिधि पदभार ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में छात्र प्रतिनिधि पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवाल ने बताया की इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री सी.आर. जादव (पुलिस निरीक्षक, ओलपाड, सूरत) ने अपनी प्रेरणादायी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

स्कूल के ट्रस्टी द्वारा सभी नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को बैज देकर पदभार सौंपा गया एवं प्रिंसिपल एकता मित्तल ने सभी नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को उनके कर्तव्य की निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव अजय अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

कल्पेश सर को वापस लाओ...सूरत में प्रधानाध्यापक के तबादले के बाद छात्रों-अभिभावक ने किया चक्काजाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कठोदरा गांव स्थित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरकारी स्कूल में एक शिक्षक के तबादले को लेकर भारी हंगामा मच गया। शिक्षक के तबादले के विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए और घंटों तक चक्काजाम किया। उन्होंने 'हमारे कल्पेश सर को वापस लाओ, नहीं तो हम पढ़ाई बंद कर देंगे' जैसे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए छात्र सड़क पर वाहनों के सामने लेट गए और इस विरोध में बड़ी संख्या में अभिभावक भी शामिल हो गए।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन के पीछे सिक्योरिटी गार्ड घोटाले के मुख्य आरोपी कालू पोशिया और उसकी पत्नी रिंकल द्वारा छात्रों और अभिभावकों को भड़काने की बात सामने आई है। छात्रों को विरोध में इस्तेमाल करना एक गंभीर और अनुचित बात मानी जा रही है, और ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। गौरतलब है कि हाल ही में इस स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड घोटाला सामने आया था, जिसके बाद दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। शिक्षा समिति ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए स्कूल के प्रधानाध्यापक और प्रबंधन समिति के कुछ सदस्यों को हटाया था। यह

मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि प्रधानाध्यापक कल्पेश पटेल का तबादला कर दिया गया, जिससे छात्रों और अभिभावकों में रोष फैल गया। सिक्योरिटी गार्ड घोटाले में स्कूल प्रबंधन समिति की सदस्य रिंकल पोशिया के पति कालू पोशिया को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। दूसरी ओर, छात्र प्रधानाध्यापक कल्पेश सर, रिंकलबेन और कालूभाई को वापस लाने की मांग कर रहे थे और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। स्थिति को काबू में लेने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ छात्रों व अभिभावकों को हिरासत में भी लिया गया।

हेतलबेन बाबरिया ने कहा कि, "सिक्योरिटी गार्ड एक साथ दो जगह कैसे काम कर सकता है? 5000 में गुजारा कैसे होता है? हमारे प्रिंसिपल ने सही किया था। सूरत की 400 सरकारी स्कूलों में यही हो रहा है, फिर हमारी ही स्कूल को क्यों टारगेट किया जा रहा है? प्रिंसिपल को ही क्यों हटाया गया? अगर कार्रवाई करनी है तो सब पर कीजिए।"

वहीं शिल्पाबेन राडड़िया ने कहा, "अच्छे शिक्षक कम हैं और जो अच्छे हैं उन्हें हटा दिया जाता है। बच्चों का भविष्य बिगड़ता है। जो काम कर रहे हैं उन्हें करने नहीं दिया जाता और तबादला कर दिया जाता है। कल्पेशभाई को वापस लाना ही हमारी मांग है।"

इस पूरी घटना में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि स्कूल के आंतरिक विवादों और प्रशासनिक फैसलों के विरोध में छात्रों का उपयोग क्यों किया गया? छोटे बच्चों को सड़कों पर उतार कर ट्रैफिक जाम और प्रदर्शन करवाना एक गंभीर मुद्दा बन गया है।

सूरत में आदिवासी बच्ची से छेड़छाड़ के बाद हंगामा, गुस्साए लोगों ने आरोपी की दुकान में की आगजनी और तोड़फोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक आदिवासी नाबालिग बच्ची के साथ छेड़छाड़ की घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपी की दुकान पर हमला कर दिया। गुस्साए लोगों ने पहले तो दुकान में तोड़फोड़ की और फिर उसमें आग लगा दी। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा।

सूरत जिले के महुवा तालुका के करचेलिया गांव में एक स्टोर में काम करने वाले युवक द्वारा आदिवासी बच्ची से छेड़छाड़ किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में पुलिस द्वारा युवक को छोड़ दिए जाने पर आदिवासी समाज के लोग भड़क उठे।

गुस्साए लोगों ने देर शाम स्टोर में तोड़फोड़ और आगजनी कर दी, जिससे इलाके का माहौल तनावपूर्ण हो गया। भीड़ ने हमला कर राजस्थान समाज के लोगों की दुकानें बंद करवाना शुरू कर दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

उन्होंने बच्ची के माता-पिता को बुलाकर इस पूरी घटना की जानकारी दी। सरपंच और अन्य लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राजस्थानी युवक को हिरासत में ले गई। लेकिन बाद में जब पुलिस ने उस युवक को छोड़ दिया, तो आदिवासी समाज के लोग भड़क उठे।

शाम को एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई और करचेलिया गांव में राजस्थानी समाज के लोगों की सभी दुकानों को जबरन बंद करवा दिया गया। भीड़ ने चनोवेल्टी स्टोरज पर हमला कर दिया और दुकान का शटर तोड़ डाला। दुकान के बाहर रखे सामान में आग लगा दी गई। भीड़ हंगामा मचाते हुए आगे बढ़ रही थी, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

इस घटना में एक पुलिस कांस्टेबल के घायल होने की भी चर्चा है। अतिरिक्त पुलिस बल के आने में देर हो गई, हालांकि बाद में पुलिस ने हालात को काबू में लेने की कोशिश की। फिलहाल करचेलिया गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

"अराउंड दी वर्ल्ड" थीम पर हुआ सावन सिंधारा का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा सावन सिंधारा का आयोजन शनिवार को पाल में किया गया। "अराउंड दी वर्ल्ड" थीम पर आयोजित कार्यक्रम में सभी महिलायें विदेश भ्रमण के अनुसार परिधान में आई। कार्यक्रम के लिए हॉल को अनेकों देशों की थीम पर प्रसिद्ध जगहों के अनुरूप सजाया गया। आयोजन में महिलाओं को अनेकों गेम खिलाए गए एवं पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर संघ की अध्यक्ष ज्योति पंसारी, सचिव वीणा बंसल, स्नेहलता कादमावाला, मंजू जालान, पदमा तुलस्यान, सविता सिंघानियाँ, रीना गाड़ोदिया, मीनू पोद्दार सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहें।